छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 16 ■ अंक - 313 ■ अम्बिकापुर, गुरूवार 11 दिसम्बर 2025 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

साय कैबिनेट ने लिया फैसला सरेंडर करने वाले नक्सलियों को मिलेगा कानूनी प्रकरण से छुटकारा

छ.ग. फ्रंटलाइन रायपुर। मंत्रिपरिषद ने आत्मसमर्पित नक्सलियों के विरुद्ध दर्ज प्रकरणों की समीक्षा एवं परीक्षण के लिए, जिन्हें न्यायालय से वापस लिया जाना है। इसके लिए मंत्रिपरिषद उप समिति के गठन को स्वीकृति दी है। यह समिति परीक्षण उपरांत प्रकरणों को मंत्रिपरिषद के समक्ष प्रस्तुत करेगी। यह निर्णय छत्तीसगढ़ शासन की ओर से जारी छत्तीसगढ़ नक्सलवादी आत्मसमर्पण/पीड़ित राहत पुनर्वास नीति-2025 के प्रावधानों के अनुरूप है। इसके तहत आत्मसमर्पित नक्सलियों के अच्छे आचरण तथा नक्सलवाद उन्मूलन में दिए गए योगदान को ध्यान में रखकर उनके विरुद्ध दर्ज प्रकरणों के निराकरण पर विचार का प्रावधान है।

आत्मसमर्पित नक्सलियों के प्रकरण वापसी की प्रक्रिया के लिए जिला स्तरीय समिति के गठन का प्रावधान किया गया है। यह समिति आत्मसमर्पित नक्सली के अपराधिक प्रकरणों की वापसी के लिए रिपोर्ट पुलिस मुख्यालय को प्रस्तुत करेगी। पुलिस मुख्यालय अभिमत सहित प्रस्ताव भेजेगा। शासन

द्वारा विधि विभाग का अभिमत प्राप्त कर मामलों को मंत्रिपरिषद उप समिति के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। उपसमिति द्वारा अनुशंसित प्रकरणों को अंतिम अनुमोदन हेतु मंत्रिपरिषद के समक्ष रखा जाएगा। केंद्रीय अधिनियम अथवा केंद्र सरकार से संबंधित प्रकरणों के लिए भारत सरकार से आवश्यक अनुज्ञा प्राप्त की जाएगी। अन्य प्रकरणों को न्यायालय में लोक अभियोजन अधिकारी के माध्यम से वापसी की प्रक्रिया हेतु जिला दण्डाधिकारी को प्रेषित किया जाएगा।

यहां जानें साय कैबिनेट के अन्य फैसले

मंत्रिपरिषद ने राज्य के विभिन्न कानूनों को समयानुकूल और नागरिकों के अनुकूल बनाने के उद्देश्य से 14 अधिनियमों में संशोधन हेतु छत्तीसगढ़ जन विश्वास (प्रावधानों का संशोधन) (द्वितीय) विधेयक, 2025 के प्रारूप का अनुमोदन किया गया।

बता दें कि कई अधिनियमों में उल्लंघन पर जुर्माना या कारावास के प्रावधान होने से न्यायिक प्रक्रिया लंबी हो जाती है, जिससे आम नागरिक और व्यवसाय दोनों अनावश्यक रूप से प्रभावित होते हैं। ईज ऑफ डूइंग बिज़नेस और ईज ऑफ लिविंग को बढ़ावा देने के लिए इन प्रावधानों का सरलीकरण आवश्यक है। इससे पहले, राज्य सरकार द्वारा 8 अधिनियमों के 163 प्रावधानों में संशोधन करते हुए छत्तीसगढ़ जन विश्वास (प्रावधानों में संशोधन) अधिनियम, 2025 अधिसूचित किया गया है। अब 11 विभागों के 14 अधिनियमों के 116 प्रावधानों को भी सरल और अधिक प्रभावी बनाने के लिए यह विधेयक लाया जाएगा।

इस विधेयक में छोटे उल्लंघनों के लिए प्रशासकीय शास्ति का प्रावधान रखा गया है, जिससे मामलों का त्वरित निपटारा होगा, न्यायालयों का बोझ कम होगा और नागरिकों को तेजी से राहत मिल सकेगी। साथ ही, कई अधिनियमों में दंड राशि लंबे समय से अपरिवर्तित होने के कारण प्रभावी कार्यवाही बाधित होती थी, इस विधेयक से वह कमी भी दूर होगी। इन संशोधनों से सुशासन को बढ़ावा मिलेगा। छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य है, जहां जन विश्वास विधेयक का द्वितीय संस्करण लाया जा रहा है। मंत्रिपरिषद की बैठक में प्रथम अनुपूरक अनुमान वर्ष 2025-2026 का विधानसभा में उपस्थापन बावत् छत्तीसगढ़ विनियोग विधेयक, 2025 का अनुमोदन किया गया।

समीक्षा की बात बेहद ही दुर्भाग्यजनक

प्रदेश कांग्रेस के संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि कैबिनेट द्वारा समर्पित नक्सलियों के आपराधिक प्रकरण वापस लेने की और उसकी समीक्षा की बात बेहद ही दुर्भाग्यजनक है. इसका मतलब जो झीरम, ताड़मेटला कांड और सैकड़ों-हजारों नरसंहार मामले में शामिल थे, क्या आप उनका भी आपराधिक प्रकरण वापस लेंगे?

उन्होंने आगे कहा कि नक्सल और नक्सलियों के नाम पर आपकी सरकार ने ग्रामीणों को जबरन बंद करके रखा है, उनके चालान पेश नहीं किए गए हैं, उनकी केस डायरी भी पेश नहीं की गई है, उनको छोड़ने के बारे में आपका क्या फैसला है. पहले उनके बारे में फैसला लिया जाना चाहिए. जो निर्दोष हैं, किसी हत्याकांड में शामिल नहीं थे, किसी अपराध में शामिल नहीं थे. आपने उन्हें केवल टारगेट पूरा करने के लिए जेल में बंद करके रखा है.

पीडब्ल्यूडी ने 124.88 करोड़ की लागत वाली 6 सड़कों और पुलों के लिए टेंडर को मंजूरी दी

छ.ग. फ्रंटलाइन रायपुर। लोक निर्माण विभाग द्वारा राज्य में सड़क संपर्क के विस्तार और मजबूती के लिए प्रस्तावित कार्यों व निविदाओं को तेजी से स्वीकृति प्रदान की जा रही है। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री अरुण साव ने राज्य के विभिन्न हिस्सों में सड़कों एवं पुलों के काम शीघ्र प्रारंभ करने के लिए 124 करोड़ 88 लाख रुपए के छह सड़कों और पुलों की निविदा को मंजूरी दी है। उन्होंने इन सड़कों और पुलों के काम जल्द प्रारंभ करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्यों और निर्माण सामग्रियों की गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए निर्धारित समय में सभी कार्यों को पूर्ण करने को कहा है।

उप मुख्यमंत्री साव ने बीजापुर जिले में 18 करोड़ 18 लाख रुपए के पुल-पुलिया सहित 12.6 किमी लंबाई के कुटरू से फरसेगढ़ मार्ग, सरगुजा जिले में चैनपुर से खम्हरिया मार्ग पर रेहण्ड नदी पर 11 करोड़ 43 लाख रुपए के उच्च स्तरीय पुल, जशपुर जिले के सिसरिंगा में मछलंग होते हुए 6.5 किमी लंबाई के सहसपुर पहुंच मार्ग तथा 3.1 किमी लंबाई के गोढ़ी से पालीडीह पहुंच मार्ग के निर्माण के लिए दस करोड़ 54 लाख रुपए की निविदा स्वीकृत की है। उन्होंने सक्ती जिले में 29 किमी लंबे मालखरौदा-छपोरा मार्ग के मजबूतीकरण एवं नवीनीकरण के लिए 53 करोड़ 15 लाख रुपए और बिलासपुर शहर में 10.7 किमी लंबाई के नेहरू चौक से दर्रीघाट मार्ग के लिए 31 करोड़ 58 लाख रुपए की निविदा को भी मंजूरी प्रदान की है।

लोक निर्माण विभाग के अंबिकापुर, बिलासपुर, रायपुर और दुर्ग परिक्षेत्र के मुख्य अभियंता तथा नवा रायपुर स्थित प्रमुख अभियंता कार्यालय द्वारा इन कार्यों की सीधे मॉनिटरिंग की जाएगी। आम नागरिक भी इनके निर्माण के दौरान पारदर्शिता एवं गुणवत्ता की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

नायब-तहसीलदार पर एमपी का धान खपाने का आरोप-ग्रामीणों ने रात 1 बजे गाड़ी पकड़ी

छ.ग. फ्रंटलाइन कवर्धा। जिले में अवैध धान की तस्करी का मामला सामने आया है। जहां नायब तहसीलदार पर मध्य प्रदेश का धान छत्तीसगढ़ में खपाने का आरोप लगा है। ग्रामीणों ने जिला मुख्यालय से लगभग 100 किमी की दूरी पर छत्तीसगढ़ मध्यप्रदेश के सीमावर्ती क्षेत्र समनापुर में अवैध धान पकड़ा। स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि वनांचल क्षेत्र रेंगाखार तहसील के नायब तहसीलदार की मौजूदगी में ही यह तस्करी रात 1 बजे कराई जा रही थी, जिसे ग्रामीणों ने पकड़ा और वीडियो भी बनाया। वीडियो में तहसीलदार प्रेमनारायण साहू ने नाराजगी जताते हुए चोरी के आरोप में ग्रामीणों पर एफआईआर कराने की धमकी भी दी। मामला झलमला थाना क्षेत्र का है। पुलिस ने धान ला रहे ड्राइवर विजय बसंत के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर लिया है। वह एमपी के बालाघाट के ग्राम छपला, थाना बिरसा से धान लेकर आया था। जांच में कोई वैध दस्तावेज नहीं दिखा पाया।

जिले में 24 चेकपोस्ट बनाए गए

बता दें कि छत्तीसगढ़ में 15 नवंबर से धान खरीदी शुरू हो गई है। तब से छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश के सीमावर्ती जिले कवर्धा में अन्य राज्यों से अवैध धान परिवहन को रोकने के लिए कुल 24 चेक पोस्ट बनाए गए है। ग्रामीणों के मुताबिक लापरवाह कर्मचारियों की अनुपस्थिति या मिलीभगत से जिले में अवैध धान का परिवहन रातों रात हो रहा है, जिससे राज्य सरकार को करोड़ों का नुकसान हो रहा।

9 दिसंबर को गाड़ी रोककर वीडियो बनाया

कवर्धा जिले के वनांचल गांवों समनापुर के रास्ते 9 दिसंबर की रात 1 बजे वाहन (क्रमांक सीजी 07 सीई 4920) से अवैध धान का परिवहन किया जा रहा था। ग्रामीणों ने गाड़ी को रोककर देखा तो धान भरा हुआ था। पूछताछ किए जाने पर ड्राइवर विजय बसंत ने मध्यप्रदेश ग्राम छपला थाना बिरसा जिला बालाघाट के धान को परिवहन किए जाने की बात कही। लेकिन कोई कागजात नहीं दिखा पाया। इस दौरान कवर्धा जिले के रेंगाखार तहसील के नायब तहसीलदार प्रेमनारायण साहू मौजूद थे। ग्रामीणों का आरोप है कि यह अवैध धान परिवहन नायब तहसीलदार के सह पर ही किया जा रहा था। मामला उजागर होने पर झलमला थाना पुलिस ने ड्राइवर को आरोपी बनाया है।

2 लाख 44 हजार का सामान जब्त

पुलिस ने मौके पर जब्त माल का मूल्यांकन कराया। वाहन की कीमत लगभग 2 लाख और धान की कीमत करीब 44 हजार आंकी गई है। कुल 2,44,000 रुपए का सामान जब्त किया गया। ड्राइवर को हिरासत में लेकर थाने लाया गया है। जहां उसके खिलाफ अपराध दर्ज कर पूछताछ की जा रही है। पुलिस अवैध परिवहन के नेटवर्क और उससे जुड़े अन्य लोगों की जांच में जुट गई है। मामले में आगे कई महत्वपूर्ण खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

तहसील की टीम और ग्रामीणों के बीच भ्रम की स्थिति

वायरल वीडियो पर कवर्धा पुलिस ने स्टेटमेंट जारी किया है। बोड़ला एसडीएम के मुताबिक अवैध परिवहन पर कार्रवाई के लिए पहुंची तहसील की टीम और स्थानीय लोगों के बीच भ्रम की स्थिति थी। दोनों वाहनों पर कार्रवाई की गई है। गाड़ियों को जब्त कर झलमला थाने को सुपुर्द किया गया है।

मंडी सचिव ने शुरू की आगे की कार्रवाई

जांच में एक वाहन में धान और एक वाहन में कोदो होना पाया गया। जिसके बाद मंडी सचिव ने आगे की वैधानिक कार्रवाई के लिए प्रक्रिया शुरू कर दी है। बोड़ला अनुविभाग के अंतर्गत अब तक अवैध परिवहन करते करीब 1451 क्विंटल धान और परिवहन में लिप्त 12 वाहन पकड़े गए हैं। स्थानीय युवकों ने घटना का वीडियो बनाया है। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमें नायब तहसीलदार प्रेमनारायण साहू भी दिखाई दे रहे हैं।

ग्रामीण बस योजना का दूसरा चरण शुरू, 180 नए गांव जुड़े बस सुविधा से

ग्रामीण परिवहन को नई रफ्तार-मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने किया योजना के द्वितीय चरण का शुभारंभ बस्तर और सरगुजा में परिवहन क्रांति, ग्रामीण बस योजना का विस्तार

छ.ग. फ्रंटलाइन रायपुर। बस्तर और सरगुजा अंचल के सुदूर वनांचलों में ग्रामीण परिवहन को नई दिशा देने वाली मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना ने आज एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज की। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय से योजना के द्वितीय चरण का औपचारिक शुभारंभ किया तथा वर्चुअली हरी झंडी दिखाकर बसों को रवाना किया। दूसरे चरण में बस्तर और सरगुजा संभाग के 10 जिलों के 23 मार्गों पर 24 नई बसों का संचालन प्रारंभ हुआ है, जिससे 180 गांव सीधे बस सुविधा से जुड़ गए हैं। कार्यक्रम के द्वितीय चरण में शामिल अनेक ग्रामीण उसी बस में सवार होकर पहुंचे, जिसे योजना के प्रथम चरण में प्रारंभ किया गया था। ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री से आत्मीय चर्चा करते हुए बताया कि अब दूरस्थ इलाकों से ब्लॉक मुख्यालयों तक पहुंचना पहले की तुलना में काफी सहज और सुगम हो गया है। सुकमा-दोरनापाल-कोंटा मार्ग से पहुंचे ग्रामीणों ने बताया कि वे लगभग 110 किलोमीटर की यात्रा बस से कर कार्यक्रम तक पहुंचे, जबकि पूर्व में यह यात्रा बेहद कठिन और समयसाध्य थी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि सरकार का स्पष्ट संकल्प है कि छत्तीसगढ़ का कोई भी गांव विकास की मुख्यधारा से अलग न रहे। यह योजना न केवल परिवहन सुविधा बढ़ा रही है, बल्कि ग्रामीणों को शहरों और सेवा संस्थानों से जोड़ते हुए सामाजिक एवं आर्थिक समानता को भी मजबूती प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में सार्वजनिक परिवहन की सुदृढ़ व्यवस्था सुनिश्चित करने की दिशा में यह योजना एक मील का पत्थर सिद्ध हो रही है, जिससे लोगों को सुरक्षित, समयबद्ध और सुविधाजनक यात्रा का अवसर मिल रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने योजना से लाभान्वित होने वाले 180 गांवों के सभी ग्रामीणों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बेहतर यातायात सुविधाएँ अब उनके जीवन को पहले से अधिक सुगम बनाएंगी और तरक्की के नए मार्ग खोलेंगी।

परिवहन मंत्री केदार कश्यप ने बताया कि जिन दुर्गम और वनांचल क्षेत्रों तक कभी यातायात की सुविधा नहीं पहुंची थी, वहाँ भी अब बस सेवाएँ प्रारंभ हो रही हैं। यह योजना विशेष रूप से बस्तर और सरगुजा के जनजातीय बहुल इलाकों के लिए एक वरदान के रूप में उभर रही है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना के प्रथम चरण की शुरुआत 04 अक्टूबर 2025 को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा की गई थी, जिसके अंतर्गत 250 गांवों को बस सेवाओं से जोड़ा गया था। अब द्वितीय चरण की शुरुआत के साथ इस संख्या में और वृद्धि हुई है तथा 180 गांव और जुड़ गए हैं।

कारोबारी बोला-डीएसपी ने प्यार में फंसाकर करोड़ों ऐंठे, रायपुर में कहा- लग्जरी कार, हीरे की अंगूठी गिफ्ट में ली

छ.ग. फ्रंटलाइन रायपुर। होटल कारोबारी दीपक टंडन ने दंतेवाड़ा की डीएसपी कल्पना वर्मा पर रिश्वत, ब्लैकमेलिंग और धोखाधड़ी जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। कारोबारी टंडन का दावा है कि डीएसपी ने पहले उन्हें लव ट्रैप में फंसाया। शादी का झांसा देकर उनसे करोड़ों रुपए, महंगी गाड़ी और कीमती गहने ले लिए। वहीं बवाल के बीच डीएसपी कल्पना के पिता हेमंत वर्मा ने 2 महीने पहले पंडरी थाने में दीपक टंडन के खिलाफ लेन-देन को लेकर शिकायत दर्ज कराई। आरोप है कि दीपक ने बिजनेस लेन-देन का पैसा नहीं लौटाया। जब चेक दिया गया तो बाउंस हो गया। चेक बाउंस का मामला कोर्ट में चल रहा है। इसके बाद होटल कारोबारी दीपक टंडन ने खम्हारडीह थाने में डीएसपी कल्पना के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। आरोप लगाया कि डीएसपी कल्पना से दोस्ती थी। कल्पना और उसके परिवार ने 75 लाख के लेन-देन की फर्जी शिकायत दर्ज कराई है।

दीपक टंडन ने आरोप लगाया कि कल्पना ने साजिश के तहत फंसाया है। 2021 और 2025 के बीच उसने कल्पना को 2 करोड़ रुपए कैश, एक हीरे की अंगूठी, एक सोने की चेन और एक कार दी थी, जिसे उसने अपने पास रख लिया है। हालांकि पुलिस ने दोनों मामलों में बयान दर्ज कर लिया है। जांच में मामला आपसी लेन-देन का विवाद पाया गया। फिलहाल दोनों पक्षों की शिकायत पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज नहीं की है। वहीं मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक डीएसपी कल्पना वर्मा ने सभी आरोपों को निराधार और साजिश बताया है।

कैसे हुई कारोबारी और डीएसपी की दोस्ती

दरअसल, डीएसपी कल्पना वर्मा जब महासमुंद में पदस्थ थी। 2021 में वह अपने कुछ साथियों के साथ टंडन के होटल पहुंची थी। कल्पना का एक बैच मेट और टंडन आपस में म्यूचल फ्रेंड थे। इसी ने टंडन और कल्पना की मुलाकात कराई। दोनों के बीच नंबर एक्सचेंज हुए।

मुलाकात के लगभग 2 दिन बाद कल्पना के नंबर से टंडन को कॉल आया। मिलने-बैठने की बात हुई। इस तरह चीजें आगे बढ़ी। जब भी कल्पना महासमुंद से आती दोनों के बीच मीटिंग होती थी। धीरे-धीरे साथ घूमने-फिरने और शॉर्ट टूर पर भी जाने लगे।

माना ट्रांसफर के बाद दोनों और क्लोज हुए

टंडन के माइंड में था कि अच्छे ओहदे पर बैठी महिला से दोस्ती भविष्य में उनके बिजनेस में काम आएगी। वहीं वर्मा के माइंड में बिजनेसमेन के साथ दोस्ती कर अपना बिजनेस शुरू का प्लान था। कुछ दिन बाद कल्पना का ट्रांसफर रायपुर के माना हो गया। इसके बाद दोनों रोज ही मिलने लगे। घर आना-जाना शुरू हो गया। दोनों क्लोज फ्रेंड हो गए। इसी बीच कल्पना ने अपने छोटे भाई (निक नेम - बिट्टू) के लिए टंडन से बातचीत की। कल्पना का कहना था कि बिट्टू बेरोजगार है। उसके लिए कुछ प्लान करो। टंडन ने बताया कि 2023 में टंडन ने सुझाव दिया कि रायपुर में एटमॉस्फेरिया रेस्टोरेंट की डील ओपन है। वो खरीद लेते हैं। कीमत 45 लाख के करीब थी। कल्पना ने बोला उनके पास इतने पैसे नहीं होंगे। टंडन के इसके बाद कल्पना के पिता हेमंत वर्मा के खाते में 30 लाख रुपए डाले।

कलेक्टर ने उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए निहारिका नाग को दी बधाई

राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर पहला स्थान प्राप्त कर किया जिले के नाम रौशन

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले की प्रतिभाशाली छात्रा निहारिका नाग ने राष्ट्रीय मंच पर स्वर्ण पदक जीत कर बलरामपुर-रामानुजगंज जिले का नाम गौरवान्वित किया है। एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय शंकरगढ़ की छात्रा ने मिट्टी कला में अपनी अनूठी दक्षता से राज्य स्तरीय प्रतियोगिता और राष्ट्रीय सांस्कृतिक एवं साहित्यिक कला उत्सव उद्भव-2025 में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

कलेक्टर श्री राजेंद्र कटारा ने आज निहारिका नाग से सौजन्य भेंट कर सम्मानित किया और उल्लेखनीय उपलब्धि पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। कलेक्टर ने निहारिका की सफलता की सराहना करते हुए कहा कि जिले के बच्चों में अपार प्रतिभा है, जिन्हें उचित मार्गदर्शन और अवसर मिलने पर वे किसी भी मंच पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकते हैं। उन्होंने निहारिका के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए विद्यालय प्रबंधन एवं शिक्षकों को भी बधाई दी। गौरतलब है कि निहारिका नाग ने अपनी सूक्ष्म कलात्मकता, रचनात्मकता और पारंपरिक मिट्टी कला में हमेशा से ही मेहनती, जिज्ञासु और कला के प्रति समर्पित रही हैं और राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर स्वर्ण पदक पाना उनके कठिन परिश्रम और प्रतिभा का परिणाम है।

मुख्यमंत्री ने किया ग्रामीण बस सेवा के द्वितीय चरण का शुभारंभ

★ जिले को मिली दो नई बस सेवाएं ★ ग्रामीण अंचलों में परिवहन सुविधा का हुआ विस्तार

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के द्वारा वर्चुअल रूप से मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा योजना के द्वितीय चरण का शुभारंभ किया गया।

जिसके अंतर्गत विकासखण्ड राजपुर के ग्राम नवकी एवं रामचन्द्रपुर के ग्राम डिण्डो में बस परिवहन सेवा शुरू की गई। दोनो ही ग्राम पंचायतों में आयोजित कार्यक्रम में जिले के जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं ग्रामीणजन वर्चुअल रूप से जुड़े इस दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने ग्रामवासियों को शुभकामनाएं दी। योजना के शुभारंभ के साथ ही स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

सुदूर वनांचलों में रहने वाले लोगों के आवागमन सुविधा के लिए मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा योजना से सहुलियत मिलेगी। विकासखण्ड रामचन्द्रपुर अंतर्गत बस संचालन रामानुजगंज से वाड्रफनगर तक किया जाएगा। जिसके अंतर्गत छतवा, लोधा, खुरा, बाहर चुरा, विमलापुर, डिण्डों, टाटीआथर, सलवाही, गोबरा, फुलीडूमर के ग्रामीण लाभान्वित होंगे। विकासखण्ड राजपुर के ग्राम नवकी में ग्रामीण अंचल को जिला मुख्यालय से जोड़ने और आम नागरिकों को सुलभ यातायात सुविधा मिलेगी। जिसके अंतर्गत रूट प्रतापपुर से पटना निर्धारित किया गया है, जो मकनपुर, गोपालपुर, राजपुर, शंकरगढ़, चलगली, महुवाडीह, डीपाडीह होते हुए पुनः पटना तक संचालित होगा। वर्चुअल कार्यक्रम में राजपुर से जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर, जनपद अध्यक्ष विनय भगत, नगर पंचायत उपाध्यक्ष संजय सिंह, जनपद सीईओ श्री संजय दुबे व अधिकारी-कर्मचारी तथा ग्रामीणजन जुड़े रहे। इसी प्रकार डिण्डों से जनपद अध्यक्ष श्री मुद्रिका सिंह, श्री मुन्शी राम साण्डिल्य, श्री बलवंत सिंह, श्री लालमन यादव, जनपद सीईओ श्री रणवीर साय सहित ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

योजना के तहत बस सेवा का संचालन 02 मार्गो में किया जाएगा। ग्रामीण बस सेवा के इन मार्गों पर यात्रा करने वाले ग्रामीणों को अब अधिक सुगम, सुरक्षित और किफायती परिवहन सुविधा मिल सकेगी। लंबे समय से बेहतर आवागमन की मांग कर रहे ग्रामीणों ने इसे राहत भरा निर्णय बताया है।

इसी प्रकार ज्ञातव्य है कि कुछ महीने पूर्व प्रथम चरण के अंतर्गत राजपुर से नरसिंहपुर मार्ग तथा रामानुजगंज से भीतरचुआ पर ग्रामीण बस सेवा शुरू की गई थी, द्वितीय चरण की शुरुआत के साथ अब जिले के और अधिक ग्रामीण क्षेत्रों को निर्बाध परिवहन सुविधा का लाभ मिलेगा, जिससे शिक्षा, स्वास्थ्य, बाज़ार एवं रोजगार संबंधी आवाजाही और आसान हो जाएगी।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में विकास को नई गति मिल रही है और मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा योजना से गांव और शहर के बीच की दूरी कम होगी और लोगों का जीवन आसान बनेगा। ग्रामीण परिवहन व्यवस्था सुदृढ़ होने से शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसी मूलभूत आवश्यकताओं के लिए गांवों से शहर तक आमजन को आने-जाने में किसी प्रकार की परेशानी न हो।

मोटिवेशनल सेमिनार एवं कैरियर मार्गदर्शन कार्यशाला का आयोजन 12 को

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिला प्रशासन बलरामपुर-रामानुजगंज द्वारा विद्यार्थियों के शैक्षणिक उन्मुखीकरण एवं भविष्य निर्माण को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से मोटिवेशनल सेमिनार एवं कैरियर मार्गदर्शन कार्यशाला का आयोजन 12 दिसंबर शुक्रवार को काका लरंगसाय स्टेडियम, शंकरगढ़ में किया जाएगा। कार्यक्रम चौंपियन ऑफ़ चेंज पहल के अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है, जिसका लक्ष्य जिले के विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच और लक्ष्य-निर्धारण की क्षमता विकसित करना है। जिसमे में मोटिवेशनल स्पीकर प्रिंस वर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। वे विद्यार्थियों को प्रतिस्पर्धात्मक परीक्षाओं की तैयारी, समय प्रबंधन, व्यक्तित्व विकास और करियर अवसरों के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। इसके साथ ही जिले के भारतीय प्रशासनिक सेवा एवं राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों द्वारा भी प्रेरणादायक सत्र लिए जाएंगे। कार्यशाला से विद्यार्थियों को अपने भविष्य की दिशा निर्धारित करने, विभिन्न कैरियर विकल्पों को समझने तथा उचित तैयारी रणनीति बनाने में मदद मिलेगी।

बिश्रामपुर स्टेशन में निजामुद्दीन एक्सप्रेस के ठहराव हेतु दिया ज्ञापन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। सरगुजा संभाग के सबसे पुराने रेलवे स्टेशन बिश्रामपुर में अंबिकापुर-निजामुद्दीन एक्सप्रेस ट्रेन क्रमांक 22407/22408 के ठहराव को लेकर स्थानीय स्तर पर माहौल गर्म हो गया है। बुधवार को रेल संघर्ष समिति बिश्रामपुर ने मंडल रेल प्रबंधक दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर मंडल के नाम पर स्थानीय स्टेशन मास्टर को ज्ञापन सौंपकर तत्काल ठहराव स्वीकृति की मांग की है। बिश्रामपुर रेल संघर्ष समिति के सदस्य अधिवक्ता प्रदीप गर्ग ने बताया कि बिश्रामपुर स्टेशन न केवल ऐतिहासिक महत्व रखता है, बल्कि यह सरगुजा संभाग का एकमात्र गुड्स शेड भी है, जहां प्रतिदिन भारी मात्रा में आवश्यक सामग्रियों की रेकें आती-जाती हैं। यह स्टेशन कभी पूरे संभाग का अंतिम स्टेशन हुआ करता था, जिसके वर्षों बाद अंबिकापुर तक रेल लाइन का विस्तार हुआ। बावजूद इसके बिश्रामपुर स्टेशन को आज भी उचित महत्व नहीं मिल पा रहा है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र में संचालित

कोयला खदानों में कार्यरत देश के विभिन्न राज्यों से आए हजारों कर्मचारी बिश्रामपुर व आसपास में निवासरत हैं। दिल्ली सहित उत्तर भारत, मध्य भारत व अन्य राज्यों के लिए नियमित रेल सेवा की आवश्यकता सबसे अधिक इन्हीं को पड़ती है। अंबिकापुर-निजामुद्दीन एक्सप्रेस सरगुजा को राजधानी दिल्ली से जोड़ने वाली इकलौती सुविधा है, ऐसे में इसका बिश्रामपुर में ठहराव न होना स्थानीय जनता के लिए बड़ी समस्या बना हुआ है। ज्ञापन में यह भी उल्लेखित है कि वर्षों से मांग उठाए जाने के बावजूद रेलवे विभाग की उदासीनता के चलते अब तक ठहराव स्वीकृत नहीं किया गया। इससे स्थानीय नागरिकों, कर्मचारियों, व्यापारियों और उद्योग जगत में गहरी नाराजगी है। समिति ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही ठहराव स्वीकृत नहीं हुआ, तो बिश्रामपुर में चरणबद्ध आंदोलन शुरू किया जाएगा। समिति के सदस्यों का कहना है कि निजामुद्दीन-अंबिकापुर ट्रेन के ठहरने से यात्रियों को सुविधा तो मिलेगी ही, साथ ही व्यापारिक-औद्योगिक गतिविधियों में वृद्धि होगी और रेलवे को भी अतिरिक्त राजस्व प्राप्त होगा। ज्ञापन देने वालों में राज्य उपभोक्ता परिषद के सदस्य सुभाष गोगल, अधिवक्ता प्रदीप कुमार गर्ग, रमेश दनौदिया, अशोक अग्रवाल शोक्की, कृष्णा गोयल बल्लू, चिंटू खेड़ा, चंदन सिंह, प्रेम धाभाई, अंशुल गोयल, अहमद वाहिद सहित अन्य उपस्थित रहे।

एनएच पर लकड़ी तस्करों की खुलेआम गुंडई, ग्रामीणों से की मारपीट

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। ग्राम पंचायत सतपता में गत दिनों एनएच 43 पर सड़क किनारे दुकान के सामने खड़े ग्रामीणों से दूसरे राज्य से आकर लकड़ी तस्करी में शामिल कुछ लोगों ने खुलेआम दबंगई करने का वीडियो सामने आया है। पीड़ित ग्रामीणों के मुताबिक गत दिनों 7 दिसंबर की रात करीब 11 बजे जब वे घर जा रहे थे। तभी लकड़ी लोड ट्रैक्टर गांव की तरफ से जा रहा था। इसी दौरान उनसे कहा सुनी हुई और ट्रैक्टर चालक वाहन लेकर वहां से चला गया। इसके उपरांत कुछ ही समय में दूसरे राज्य के लकड़ी तस्करी में शामिल लोग संगठित होकर फिर रात करीब 1 बजे पंचायत भवन सतपता में पहुंच राजू यादव के साथ मारपीट करने लगे। लगभग 4- 5 की संख्या में पहुंचे लकड़ी तस्करों ने युवक से मारपीट कर खुलेआम दबंगई किए हैं। यह पूरा वारदात सामने स्थित एक दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। वीडियो में साफ तौर पर दिखाई दे रहा है कि कुछ लोग दो युवकों से जमकर मारपीट कर रहे हैं। घटना के बाद पीड़ित राजू यादव मामले की शिकायत बिश्रामपुर थाने में की है।

शिवानी महिला समिति द्वारा 50 छात्राओं को दिया गया स्वेटर

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। शिवानी महिला समिति बिश्रामपुर द्वारा आज शासकीय प्राथमिक शाला कन्या शिवनंदनपुर में स्वेटर वितरण किया गया। समिति द्वारा सामाजिक दायित्वों के तहत कक्षा 1 से 5 वीं तक अध्ययनरत 50 छात्राओं को ऊनी वस्त्र तथा फूड पैकेट वितरित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व समिति की अध्यक्षा श्रीमती अल्पना सिंह ने किया। उन्होंने कहा कि ठंड के मौसम में बच्चों के स्वास्थ्य की सुरक्षा और उनकी शिक्षा में निरंतरता बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। इसी उद्देश्य से समिति द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की छात्राओं को स्वेटर उपलब्ध कराए गए हैं।समिति के अन्य सदस्यों के रूप में श्रीमती महिमा सिंह, श्रीमती उषा शर्मा, श्रीमती स्नेहा अटल, श्रीमती सुनीता कुमार, श्रीमती अनीता भील, श्रीमती जया रमना, श्रीमती मीरा सिंह और श्रीमती डॉ. राजेश्री नारायण उपस्थित रहीं। ज्ञात हो कि गर्म

कपड़े और फूड पैकेट वितरण कार्यक्रम में बच्चों के चेहरों पर खुशी देखने लायक थी।

समिति द्वारा जरूरतमंद बच्चों को सहायता उपलब्ध कराकर इस कड़ाके की ठंड में राहत पहुंचाई गई। विद्यालय की प्रधान पाठिका दयामणी लकड़ा ने समिति की इस पहल की सराहना करते हुए इसे छात्राओं के हित में महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि ऐसे सामाजिक सहयोग से विद्यालय के बच्चों को सुरक्षित, प्रोत्साहनपूर्ण और अनुकूल शैक्षणिक वातावरण प्राप्त होता है। समिति के सदस्यों ने भविष्य में भी विद्यालय को हर संभव मदद करने का भी भरोसा दिलाया है। इस दौरान विद्यालय की प्रधान पाठिका दयामणी लकड़ा के अलावा शिक्षिका मनीषा लकड़ा, संजू, तथा संकुल समन्वयक गौरीशंकर पाण्डेय उपस्थित थे।

कोरंधा बैरियर में 55 बोरी अवैध धान सहित पिकअप वाहन जप्त

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले में धान खरीदी प्रक्रिया को सुव्यवस्थित एवं पारदर्शी बनाए रखने के उद्देश्य से प्रशासन द्वारा सतत निगरानी रखी जा रही है। इसी कड़ी में झारखंड से कुसमी की ओर अवैध रूप से परिवहन किए जा रहे धान पर कार्रवाई करते हुए कोरंधा बैरियर में जप्त किया गया। जांच के दौरान तहसीलदार सुश्री रॉकी एक्का एवं संयुक्त टीम के द्वारा पिकअप वाहन में भरी लगभग 55 बोरी धान के संबंध में संतोषजनक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने पर द्वारा धान एवं वाहन दोनों को जप्त कर थाना कोरंधा के सुपुर्द किया गया। जिले में अवैध धान परिवहन पर कड़ी नजर रखी जा रही है तथा सख्त कार्रवाई की जा रही है।

शिक्षक शैक्षणिक व्यवस्था के हैं रीढ़ की हड्डी : संयुक्त संचालक

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिश्रामपुर में संयुक्त संचालक संजय गुप्ता की अध्यक्षता में जिला स्तरीय विभागीय समीक्षा बैठक किया गया। बैठक दो पाली में संपन्न हुई। प्रथम पाली में जिला शिक्षा अधिकारी, सहायक संचालक, जिला मिशन समन्वयक, सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारी, खंड स्त्रोत समन्वयक, सभी प्राचार्य एवं कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय की अधीक्षिकाएं तथा द्वितीय पाली में जिला शिक्षा अधिकारी, जिला मिशन समन्वयक, सभी सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी, समस्त खंड स्त्रोत समन्वयक और सभी सीएसी सम्मिलित हुए। संयुक्त संचालक संजय गुप्ता ने कहा कि आप शैक्षणिक व्यवस्था रीढ़ की हड्डी के रूप में कार्य कर रहे हैं। आप अपनी भूमिका की महत्ता को समझते हुए कार्य करें ताकि बच्चों में उत्तरोत्तर गुणात्मक सुधार हो सके। आपके कार्य के आधार पर समाज में आपकी एक अलग पहचान दिखनी चाहिए।प्रभावी शैक्षिक निर्देश देने के लिए आपको स्वयं सिलेबस का पूर्ण ज्ञान होना चाहिए। अप्रैल तक हर संकुल में एक प्राथमिक शाला और एक पूर्व माध्यमिक शाला करने का लक्ष्य हासिल करना है। उन्होंने कहा कि किसी भी स्थिति में आदतन गैरहाजिर और नशे की प्रवृति वाले शिक्षक बर्दाश्त नहीं किए जा सकते हैं। बैठक में शिक्षा विभाग से संबंधित प्रमुख बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। जिसमें कक्षा 10 वीं एवं 12 वीं बोर्ड परीक्षा, कक्षा 5 वीं एवं 8 वीं की केंद्रीकृत परीक्षा तथा छमाही परीक्षा की तैयारी की प्रगति की समीक्षा की गई। साथ ही मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान, पाठ्यक्रम पूर्णता, निःशुल्क पाठ्यपुस्तक एवं गणवेश वितरण, सायकल वितरण तथा शिक्षा का अधिकार अधिनियम के क्रियान्वयन की वर्तमान स्थिति पर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही संयुक्त संचालक संजय गुप्ता द्वारा यू-डाइस, स्कूल प्रोफाइल एवं शिक्षक प्रोफाइल की शत-प्रतिशत प्रविष्टि के निर्देश देते हुए छात्रङ्कशिक्षक उपस्थिति को बेहतर बनाने पर जोर दिया गया। साथ ही पोषण शक्ति निर्माण योजना की प्रगति, एलपीजी उपयोग, सत्र 2025-26 के लिए छात्रवृत्ति, सेवानिवृत्त, पेंशन प्रकरणों के निराकरण तथा स्वीकृत निर्माण कार्यों की समीक्षा की गई। संयुक्त संचालक ने सभी अधिकारियों को निर्धारित समय सीमा में कार्य पूर्ण करने तथा गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी अजय कुमार मिश्रा, सहायक संचालक रविंद्र सिंह देव, जिला मिशन समन्व्यक मनोज कुमार साहू, प्राचार्य आशीष कुमार भट्टाचार्य, पीसी सोनी के साथ सभी संस्था के प्राचार्य एवं सीएसी उपस्थित थे।

करंजी रेलवे साइडिंग के कोयला खाली करने 24 घंटे हेतु बनी सहमति

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। करंजी रेलवे साइडिंग से उठ रहे कोल डस्ट से परेशान ग्रामीणों द्वारा दस दिनों तक बंद रखे गए कोयला साइडिंग में कोयला खाली कराने की सहमति दे दी गई है। सहमति बनने से ट्राला मालिकों ने राहत की सांस ली है। गौरतलब है कि करंजी रेलवे साइडिंग में ग्राम पंचायत करंजी, झूमरपारा व आसपास गांव के लोगों ने सड़क निर्माण व अन्य मांगों को लेकर पिछले दिनों 1 दिसंबर से कोल परिवहन कार्य ठप कर दिया था। जिस वजह से यहां पर करीब सौ से अधिक कोयला लोड ट्राला फंसे हुए थे। जिसमें बुधवार को मंत्री प्रतिनिधि ठाकुर राजवाड़े की उपस्थिति में ग्रामीणों व साइडिंग संचालनकर्त्ता एवं ग्रामीणों के

बीच बैठक हुई। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि जो कोयला लोड ट्राला वाहन यहां पर फंसे हुए उनके कोयला को 24 घंटे के भीतर साइडिंग में खाली करा दिया जाएगा। साथ ही किसी भी ट्राला वाहन में कोल डस्ट का परिवहन कार्य नहीं किया जाएगा। साथ ही फंसे हुए कोयला लोड वाहनों के साइडिंग में खाली होने उपरांत 24 घंटे बाद कोल परिवहन कार्य बंद कर दिया जाएगा। बैठक में मंत्री प्रतिनिधि ठाकुर राजवाड़े के अलावा पूर्व जिला पंचायत सदस्य सत्यनारायण जायसवाल, भाजपा पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष रामानंद जायसवाल, सुरजपुर तहसीलदार सूर्यकांत साय, एसडीओपी अभिषेक पैकरा, बिश्रामपुर टीआई प्रकाश राठौर, बसंत, मो.जावेद, शिवकुमार, पारस राम, संतोष कुमार, रामसूरत, आनंद, गणेश, गोपाल व अन्य उपस्थित थे। ज्ञात हो कि पर्यावरण बोर्ड द्वारा करंजी साइडिंग में नियमों की अवहेलना पाए जाने पर साइडिंग को बंद किए जाने के भी निर्देश दिए गए हैं। ऐसी स्थिति में अब जब तक पर्यावरण बोर्ड की एनओसी नहीं मिल जाती है, तब तक करंजी साइडिंग पर कार्य बंद रहेगा।

पॉलीटेक्निक कालेज में टीबी मुक्त भारत अभियान अंतर्गत स्वास्थ्य परीक्षण का किया गया आयोजन

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। टीबी मुक्त भारत अभियान एवं जन-जागरूकता को सशक्त बनाने के उद्देश्य से शासकीय पॉलिटेक्निक रामानुजगंज में एक व्यापक स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में स्वास्थ्य विभाग की विशेषज्ञ टीम ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए विद्यार्थियों, कर्मचारियों एवं स्थानीय नागरिकों को निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान की। शिविर के दौरान उपस्थित लोगों का ब्लड ग्रुप परीक्षण, रक्तचाप (बीपी) जांच, टीबी से संबंधित प्रारंभिक स्क्रीनिंग, तथा सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। स्वास्थ्य टीम ने टीबी की रोकथाम, इसके लक्षणों, उपचार प्रक्रिया तथा समय पर जांच कराने के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। विद्यार्थियों को रोगों से बचाव के उपाय, स्वच्छता के प्रति जागरूकता तथा बेहतर दिनचर्या अपनाने का सुझाव भी प्रदान किया गया। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने बताया कि टीबी जैसे रोगों से निपटने के लिए समाज का जागरूक होना अत्यंत आवश्यक है। समय पर जांच, नियमित दवा सेवन और स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता ही इस रोग को जड़ से मिटाने की दिशा में सबसे बड़ा कदम है। संस्था के प्राचार्य डॉ.एस.पी.मिश्रा ने कहा कि इस प्रकार के शिविर न केवल विद्यार्थियों के स्वास्थ्य संरक्षण में सहायक होते हैं, बल्कि समाज में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता भी बढ़ाते हैं। प्राचार्य ने आश्वस्त किया कि भविष्य में भी संस्था द्वारा ऐसे जनहितकारी कार्यक्रमों का आयोजन निरंतर किया जाएगा। कार्यक्रम में संस्थान के सभी शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक कर्मचारी, विद्यार्थी उपस्थित रहे।

ग्राम बरौल में कुएं में गिरने से मासूम की मौत

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। खेलते खेलते पांच वर्षीय मासूम की डूबने से मौत हो गया है। करंजी पुलिस ने बताया कि ग्राम पंचायत बरौल निवासी समय लाल का पांच वर्षीय पुत्र अखिलेश कुमार प्रजापति बुधवार की शाम करीब साढ़े 4 बजे अपने बाड़ी में खेलते खेलते बिना जगत के कुएं में अचानक गिर गया, जिससे उसकी मौत हो गई है। सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम कर विवेचना शुरू कर दी है।

मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना के द्वितीय चरण में जिले के 4 नए मार्गों पर बस सेवा शुरू

मुख्यमंत्री श्री साय के वर्चुअल उपस्थिति में कार्यक्रम का किया गया आयोजन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

भैयाथान। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के वर्चुअल उपस्थिति में कलेक्टर एस. जयवर्धन ने मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा के द्वितीय चरण का किया शुभारंभ। विकासखंड भैयाथान के ग्राम कुसमुसी में आयोजित कर इस कार्यक्रम में चार मार्गों के लिए चार बसों को कलेक्टर एस जयवर्धन और जनप्रतिनिधियों ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान उपाध्यक्ष जनपद पंचायत राजिव प्रताप सिंह, नगर पालिका उपाध्यक्ष शैलेष गोयल, मंत्री प्रतिनिधि ठाकुर राजवाड़े, शशिकांत गर्ग, मंडल अध्यक्ष सुनील साहू, प्रकाश दुबे, शांतनु गोयल, लालचंद शर्मा, राकेश पाठक, संदीप दुबे, सत्या दुबे, जिला पंचायत सीईओ विजेंद्र सिंह पाटले, एसडीएम चांदनी कंवर, तहसीलदार उमेश कुशवाहा, जनपद सीईओ विनय गुप्ता, जिला परिवहन अधिकारी योगेश भंडारी तथा बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कार्यक्रम को वर्चुअल माध्यम से संबोधित करते हुए कहा कि ग्रामीण बस सेवा का यह विस्तार प्रदेश के बस्तर और सरगुजा संभाग के 10 जिलों के 23 मार्गों पर 24 नई बसों के संचालन के साथ हुआ है, जिससे कि अब और 180 गांव सीधे बस सुविधा से जुड़ गए हैं। कार्यक्रम में विभिन्न जिलों के ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री से आत्मीय चर्चा करते हुए बताया कि अब दूरस्थ इलाकों से ब्लॉक मुख्यालयों तक पहुंचना पहले की तुलना में काफी सहज और सुगम हो गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरगुजा के उन क्षेत्रों में जहां पहले बस नहीं चलती थी,

वहां लोग असुरक्षित साधनों से यात्रा करते थे। अब निश्चित रूप से इस सेवा के शुरू होने से ग्रामीणों को सुरक्षित और सुलभ परिवहन उपलब्ध होगा। बस्तर के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में भी बस सेवा शुरू की जा रही है, जिससे आवागमन में बड़ी राहत मिलेगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि 4 अक्टूबर को प्रथम चरण में 34 मार्ग में, 33 बसो के द्वारा 250 गांवों में पहली बार ग्रामीण बस सेवा पहुंचाई गई थी। कलेक्टर ने आज आयोजित कार्यक्रम में ग्रामीणों को संबोधित करते हुए बताया कि मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना के प्रथम चरण में 03 मार्गों में पहले ही सेवा प्रारंभ की जा चुकी है तथा द्वितीय चरण में 04 नए मार्गों पर बस सेवा प्रारंभ की जा रही है। उन्होंने कहा कि ग्रामीणजन अपनी आवश्यकताओं के अनुरूप इस बस सेवा का उपयोग करें, जिससे उन्हें शहरी क्षेत्रों से जुड़ने में सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि अब इन रूटों पर सेवा शुरू होने से विद्यार्थियों, किसानों, मरीजों को विशेष सुविधा मिलेगी। ग्राम और शहर का जुड़ाव निश्चित रूप से ग्रामों में विकास लाएगा। गौरतलब है कि द्वितीय चरण में सूरजपुर जिले के नए बस मार्ग अंतर्गत निम्नलिखित मार्गों पर बस सेवा प्रारंभ हुई है। इसमें शामिल हैं प्रेमनगर से मंहगई (दुगार्पुर, नवापाराखुर्द, कालीपुर), भैयाथान से डुमरिया (केवरा, कुसमुसी, बंजा, शिवप्रसादनगर, भंवराही, बासापारा, डबरीपरा), सूरजपुर से कालीपुर (कुरूवां, डेडरी, समकरा, मानी, गेतरा, पोतका, कालीपुर), सूरजपुर से मंहगई (बेलटिकरी, भरतपुर, सलका, मानी, पोड़ी जोबगा) इस सेवा के शुरू होने पर ग्राम के सरपंच ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि इससे बच्चों को स्कूल जाने, किसानों को बाजार पहुंचने, मरीजों को अस्पताल जाने, शहरों से सामान लाने ले जाने सहित अन्य बहुत सी सुविधा ग्रामवासियों को मिलेगी। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा अंतर्गत प्रथम चरण में सूरजपुर जिले के निम्न 03 मार्ग शामिल थे। सूरजपुर से प्रतापपुर (करमपुर, कसलगिरी, पण्डरीपानी, जुडवानी, सरवादोहर, भंडारपारा, ब्रिजनगर, मंजीरा, पोड़ीपा, अखोरा), सूरजपुर से बैकुंठपुर (चंदरपुर, चम्पकनगर, मांजा, गोल्हासरई, शिवपुर, रामपुर, पसला, छिंदिया, अमहर, तरगंवा, खोड़री, खाड़ा) और ओड़गी से घुईडीह (बाड़ीटोला, किरवाही, जोगिया, बदवार, पालकेवरा, खरहरीजोर, कैलाशनगर)। इस बस सेवा के शुरू होने से सूरजपुर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर परिवहन सुविधा उपलब्ध होगी और लोगों का संपर्क शहरी क्षेत्रों से और मजबूत होगा।

850 श्रद्धालुओं को जनप्रतिनिधियों ने हरी झंडी दिखाकर स्पेशल ट्रेन से अयोध्या के लिए किया रवाना

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। श्री रामलला दर्शन (अयोध्या धाम) योजना के अंतर्गत सरगुजा संभाग के 850 श्रद्धालु तीर्थयात्री आज अयोध्या धाम के लिए रवाना हुए। अम्बिकापुर रेलवे स्टेशन में तीर्थयात्रियों की विशेष ट्रेन को जनप्रतिनिधियों ने हरी झंडी दिखाकर स्पेशल ट्रेन को रवाना किया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निरूपा सिंह, महापौर श्रीमती मंजूषा भगत, जिले के जनप्रतिनिधिगण, टूरिज्म बोर्ड सहायक संचालक सरगुजा आशिष वर्मा तथा रेलवे एवं

आई.आर.सी.टी.सी. के अधिकारी कर्मचारीगण अंबिकापुर रेलवे स्टेशन में उपस्थित रहे। अतिथियों ने सभी यात्रियों को सुखद, सुरक्षित एवं मंगलमय यात्रा की शुभकामनाएं दीं। उप संचालक समाज कल्याण एवं नोडल अधिकारी व्ही. के. उके ने बताया कि जिले के जनपद पंचायत अंबिकापुर से 17, उदयपुर से 19, लखनपुर से 17, लुण्ड्रा 17, बतौली 17, सीतापुर से 18, मैनपाट से 15, नगर निगम अंबिकापुर से 30 नगर पंचायत लखनपुर से 07 तथा नगर पंचायत सीतापुर से 07 कुल 164 तीर्थ यात्री अयोध्या धाम के लिए रवाना हुए हैं। यात्रियों की सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं देखभाल हेतु जिले से अनुरक्षक दल भी उनके साथ भेजा गया है। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को भोजन, आवास एवं चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। यह विशेष ट्रेन यह यात्रा दिनांक 13.12.2025 को वापस अम्बिकापुर रेलवे स्टेशन पहुंचेगी। सरगुजा संभाग के सभी जिलों से शासन द्वारा निर्धारित यात्री कोटा में सरगुजा से 164, जशपुर से 204, बलरामपुर-रामानुजगंज से 164, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर से 57, कोरिया से 108, सुरजपुर से 147 कुल 850 दशार्नार्थी अयोध्या धाम के लिए रवाना हुए हैं।

परसोढ़ी कला में लाठीचार्ज और गिरफ्तारियों की उच्चस्तरीय जांच की मांग

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। आम आदमी पार्टी ने परसोढ़ी कला में भूमि अधिग्रहण के दौरान हुई बर्बर कार्रवाई की निंदा की है और पीड़ित ग्रामीणों के साथ अपनी एकजुटता व्यक्त की है। पार्टी के जांच दल ने गांव पहुंचकर पीड़ित महिलाओं और ग्रामीणों से मुलाकात की और घटना की जानकारी ली।

आम आदमी पार्टी की मांगें

पार्टी ने मांगें की है कि परसोढ़ी कला लाठीचार्ज की उच्चस्तरीय न्यायिक जांच कराई जाए। निर्दोष ग्रामीणों पर दर्ज सभी एफआईआर तत्काल वापस

ली जाएं। प्रशासन द्वारा जब्त की गई जमीन को वापस किया जाए।

आम आदमी पार्टी का आरोप

प्रशासन और भाजपा सरकार की मिलीभगत से ग्रामीणों पर बर्बर कार्रवाई की गई। ग्रामीणों को उनकी जमीन से बेदखल करने के लिए प्रशासन और एसईसीएल द्वारा मनमानी की जा रही है। भाजपा नेता अब जनता के प्रतिनिधि नहीं, बल्कि एसईसीएल के दलाल और प्रवक्ता बन चुके हैं।

आम आदमी पार्टी का समर्थन

पार्टी पीड़ित ग्रामीणों के साथ मजबूती से खड़ी है और न्याय मिलने तक संघर्ष जारी रहेगा। पार्टी ने मानवाधिकार दिवस पर सरकार को चेतावनी दी है कि छत्तीसगढ़ को मानवाधिकार उल्लंघन का गढ़ बनने से रोकें अन्यथा परिणाम ठीक नहीं होगा। इस जांच दल में में आम आदमी पार्टी छत्तीसगढ़ के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रियंका शुक्ला, अलेक्जेंडर केरकेट्टा, राजेंद्र बहादुर सिंह एवं मनोज दुबे, लोकसभा अध्यक्ष नरेंद्र नाग, लोकसभा सचिव लव कुमार दुबे, रामेश्वर विश्वकर्मा, अजय सिंह, राजेश गुप्ता, सहित पार्टी के अनेक पदाधिकारी एवं कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मुंबई में राष्ट्रीय पश्चिम भारत विज्ञान मेले में सरगुजा के मॉडल बने मुख्य आकर्षण

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। नेहरू साईस सेंटर मुंबई में आज राष्ट्रीय पश्चिम भारत विज्ञान मेला (2025-26) का भव्य उद्घाटन हुआ, जहाँ विज्ञान और नवाचार की दुनिया में कदम रख रहे चार राज्यों में छत्तीसगढ़, गोवा, महाराष्ट्र और राजस्थान के शिक्षकों ने भी प्रतिभागी और भाग लिया। प्रतिभागियों ने 20 व्यक्तिगत, टीम प्रोजेक्टस और शिक्षक, शिक्षिकाओं ने 11 शिक्षण अधिगम सामग्री प्रदर्शन में अपनी अनोखी परियोजनाओं से सबका ध्यान आकर्षित किया। मुख्य अतिथि

द्वारा दीप प्रज्वलन कर मेले का शुभारंभ किया गया, जिसमें वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, स्कूल प्रतिनिधियों और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं की उपस्थिति रही। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में कहा कि विज्ञान केवल प्रयोगशाला तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के समग्र विकास की आधारशिला है। ऐसे आयोजन शोध और नवाचार की सोच को मजबूत बनाते हैं।

सरगुजा के मॉडल बने मुख्य आकर्षण

मेले में सरगुजा जिले से शामिल दो मॉडल विशेष रूप से ध्यान का केंद्र बने वॉइस एंड ब्लूटूथ कंट्रोल्ड होम ऑटोमेशन सिस्टम को मार्गदर्शक श्रीमती चंदा श्रीवास्तव विद्यालय शास. उ.मा. विद्यालय रामपुर, अंबिकापुर के छात्र ललित राजवाड़े एवं शौर्य महंत ने मिलकर प्रदर्शित किया। यह आधुनिक मॉडल घर की विभिन्न सुविधाओं को वॉइस कमांड और ब्लूटूथ के माध्यम से नियंत्रित करने की तकनीक पर आधारित है, जिसने दर्शकों की खूब सराहना प्राप्त की। व्यक्तिगत मॉडल में ह्यडाय चेक को छात्र सुमेश्वर गुप्ता ने शिक्षक श्री प्रत्यूष दुबे सेजेस सरगुजा के मार्गदर्शन में प्रदर्शित किया। दोनों मॉडलों ने सरगुजा जिले का प्रतिनिधित्व करते हुए मेले में विशेष पहचान बनाई। साथ ही राजस्थान के ह्यसहस्त्रबाहु महाराष्ट्र के साइन लैंग्वेज ट्रासलेटर, को खुब सराहना मिली।

विज्ञान प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र

मेले में रोबोटिक्स, अक्षय ऊर्जा, पर्यावरण संरक्षण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और स्वास्थ्य तकनीक से जुड़े कई मॉडल प्रस्तुत किए गए। जिसने दर्शकों का मन मोह लिया। विज्ञान प्रदर्शनी 10 दिसंबर से 13 दिसंबर तक आयोजित किया जाएगा। साथ-साथ विभिन्न कार्यशालाएं और वैज्ञानिकों के साथ इंटरेक्टिव सत्र भी आयाजित किये जायेंगे।

किसान बैजनाथ ने बताई खरीदी प्रक्रिया आसान, धान खरीदी व्यवस्था से हुए संतुष्ट

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। जिले में धान उपार्जन केन्द्रों में चल रही पारदर्शी और सुगम व्यवस्था का लाभ किसानों तक सीधे पहुंच रहा है। अंबिकापुर ब्लॉक के ग्राम पंचायत खाला के किसान श्री बैजनाथ सिंह ने बताया कि इस बार धान विक्रय की प्रक्रिया पहले की तुलना में काफी सरल और सुविधाजनक हो गई है। उन्होंने बताया कि उनका रकबा 160 क्विंटल धान का है। विक्रय के लिए उन्होंने पहला 80 क्विंटल का टोकन उपार्जन समिति से कटवाया, जिसकी प्रक्रिया पूरी तरह सहज रही और किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं हुई। उन्होंने

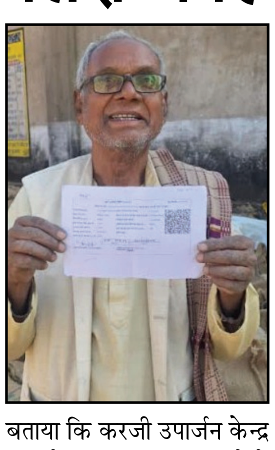

बताया कि करजी उपार्जन केन्द्र पहुंचते ही समिति कर्मचारियों ने सहयोग किया। धान का नमी परीक्षण तुरंत किया गया और उसके बाद बारदाना भी समय पर उपलब्ध कराया गया। तौल प्रक्रिया भी पूरी पारदर्शिता से की गई, जिससे किसानों का भरोसा और बढ़ा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सरकार में किसानों को 3100 रुपये प्रति क्विंटल धान का मूल्य मिल रहा है, जो किसानों के लिए बड़ी राहत और प्रोत्साहन है। इससे किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत हो रही है। किसान बैजनाथ बताते हैं कि प्राप्त राशि से वे खेती का दायरा बढ़ाने और बच्चों को उच्च शिक्षा देने में उपयोग कर रहे हैं। जिला प्रशासन द्वारा धान उपार्जन केन्द्रों में किसानों की सुविधा के लिए किए गए प्रबंधन की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि व्यवस्था पूरी तरह संतोषजनक है और धान खरीदी व्यवस्था से किसानों का आत्मविश्वास बढ़ा है।

कचहरी में हंगामा, भारी सुरक्षा के बीच कफ सिरप कांड के दोनों आरोपी अदालत में पेश

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

लखनऊ। यूपी के बहुचर्चित कफ सिरप कांड में आरोपी बर्खास्त सिपाही आलोक सिंह और अमित टाटा को मंगलवार को लखनऊ की अदालत में पेश किया गया। रिमांड पर बहस तो हुई, लेकिन कोर्ट की ओर से कोई आदेश जारी नहीं हुआ। पेशी से पहले कचहरी परिसर में माहौल तनावपूर्ण हो गया, जिसके चलते भारी पुलिस बल तैनात करना पड़ा।

सूत्रों के मुताबिक, कोर्ट परिसर में वकीलों के दो गुट आमने-सामने आ गए। एक पक्ष ने आरोपियों के खिलाफ 'बच्चों के हत्यारों को फांसी दो' के नारे लगाए, जबकि दूसरा पक्ष आरोपियों के बचाव में उतर आया। नारेबाजी और तीखी बहस से माहौल कुछ समय के लिए बेहद

गर्म हो गया। स्थिति बिगड़ते देख ढअउ, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और अतिरिक्त पुलिस बल मौके पर बुलाया गया। तनाव को ध्यान में रखते हुए पुलिस ने एहतियातन दोनों आरोपियों को कुछ समय तक लॉकअप से बाहर नहीं निकाला, ताकि किसी संभावित हमले की आशंका को टाला जा सके। बाद में कड़ी सुरक्षा में दोनों को कोर्ट में पेश किया गया। दोनों आरोपी वर्तमान में लखनऊ जेल में बंद हैं।

उधर, इस मामले को लेकर यूपी डीजीपी ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने बताया कि कोडीन युक्त सिरप की तस्करी, फर्जी दस्तावेजों से बनी मेडिकल फर्मों और उनके वित्तीय लेन-देन की जांच अब प्रदेश स्तर की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) करेगी। एसआईटी का गठन जल्द किया जाएगा, जिसका नेतृत्व आईजी स्तर का अधिकारी करेगा। यह एसआईटी चल रही सभी जांचों की नियमित समीक्षा करेगी और वित्तीय लेन-देन से जुड़े तथ्यों की गहराई से जांच करेगी। डीजीपी ने स्पष्ट कहा कि दोषी पाए जाने वाले सभी आरोपियों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

ग्रामीण अंचलों को मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना की मिली सौगात

मुख्यमंत्री ने वर्चुअल माध्यम से किया शुभारंभ, दिव्यांग एवं गर्भवती महिलाओं को मिलेगी निःशुल्क यात्रा की सुविधा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज वर्चुअल माध्यम से जिले के दुर्गम एवं बस-विहीन मार्गों में मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना का शुभारंभ किया। इस योजना के तहत शुरू हुई बस सेवाओं से हजारों ग्रामीणों को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बाजार तक पहुंच में सुविधा मिलेगी। अम्बिकापुर बस स्टैंड में आयोजित कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निरूपा सिंह एवं निगम महापौर श्रीमती मंजूषा भगत ने मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान पार्षद श्रीमती प्रियंका गुप्ता, श्रीमती श्वेता गुप्ता, कलेक्टर विलास भोसकर, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी विनय सोनी सहित

विभागीय अधिकारी एवं बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित रहे। महापौर श्रीमती मंजूषा भगत ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना का सीधा लाभ ग्रामीण जनता को मिलेगा। उन्होंने कहा कि जहां कभी आवागमन का कोई साधन उपलब्ध नहीं था, वहां अब बस की नियमित पहुंच से लोगों को आवागमन की सुविधा मिलेगी। महापौर श्रीमती भगत ने मुख्यमंत्री बस योजना के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का आभार व्यक्त किया और कहा कि ग्रामीण परिवहन व्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में यह ऐतिहासिक पहल है।

दिव्यांग और गर्भवती महिलाओं के लिए विशेष सुविधा

कार्यक्रम के दौरान महापौर श्रीमती मंजूषा भगत के आग्रह पर बस संचालकों ने एक महत्वपूर्ण जनहित निर्णय लेते हुए कहा कि दिव्यांगजन एवं गर्भवती महिलाओं को निःशुल्क यात्रा की सुविधा प्रदान की जाएगी।

बगीचा से सीतापुर मार्ग पर बस सेवाएं

बगीचा से सीतापुर व्हाया-जुजगु, महादेवडांड, गिरहुलडीह, भारतपुर, ललितपुर, सीतापुर दूरी-65 कि.मी., महादेवडांड से सीतापुर व्हाया-महादेवडांड, गुड़लु, छिरोपारा, बेनई, गिरहुलडीह, मरकट, भारतपुर, नौनियाटांगर, ललितपुर, गुलगुमा, रजौटी, सीतापुर दूरी-33 कि.मी. बस सेवा से स्कूली बच्चों, मरीजों और ग्रामीणों की आवागमन सुगम होगी।

बांदा से अम्बिकापुर मार्ग पर बस सेवाएं

बादा से अम्बिकापुर व्हाया-बादा, बरियों, चार पारा, ककना, सिधमा, अखोरा, अखोराखुर्द, रूखपुर, चिखलाडीह, नर्मदापुर, सरगवां, अंबिकापुर दूरी 32 कि.मी. बस सेवा से ग्रामीणों की आवागमन सुगम होगी। मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना की सेवा शुरू होने से परिवहन का खर्च कम होगा, छात्रों की स्कूल, कॉलेज पहुंच आसान होगी और अस्वस्थ व्यक्तियों को समय पर उपचार मिल सकेगा। साथ ही दिव्यांग और गर्भवती महिलाओं को निःशुल्क यात्रा सुविधा का लाभ मिलेगा।

सम्पादकीय

स्वतंत्रता आंदोलन का उद्घोष बन गया था वंदे मातरम्

वंदे मातरम् भारत की स्वतंत्रता की लड़ाई का एक शक्तिशाली प्रतीक है, जिसने करोड़ों लोगों को एकजुट किया। यह केवल एक गीत नहीं, बल्कि इसने लाखों भारतीयों में देशभक्ति की भावना को जागृत किया है। अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई में यह भारत के स्वतंत्रता आंदोलन का एक प्रेरणादायक उद्घोष बन गया था। जिस मंत्र, जिस जयघोष ने देश के आजादी के आंदोलन को ऊर्जा और प्रेरणा दी थी, त्याग और तपस्या का मार्ग दिखाया था, उस वंदे मातरम् का स्मरण करना देश का बहुत बड़ा सौभाग्य है। वंदे मातरम् केवल भारत का राष्ट्रीय गीत ही नहीं, स्वतंत्रता आंदोलन का प्राण भी है। यह बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की प्रथम उद्घोषणा है। इसने हमें याद दिलाया कि भारत केवल जमीन का एक टुकड़ा नहीं, बल्कि एक भू-सांस्कृतिक राष्ट्र है, जिसकी एकता उसकी संस्कृति और सभ्यता से आती है। हमारे लिए यह गर्व की बात है कि वंदे मातरम् के 150 साल पूर्ण हो रहे हैं और हम सभी इस ऐतिहासिक अवसर के साक्षी बन रहे हैं। वंदे मातरम् पर पीएम मोदी ने सोमवार को लोकसभा में चर्चा की शुरुआत की। उन्होंने कहा, 'वंदे मातरम्' अंग्रेजों को करारा जवाब था, ये नारा आज भी प्रेरणा दे रहा। आजादी के समय महात्मा गांधी को भी यह पसंद था, उन्हें यह गीत नेशनल एंथम के रूप में दिखता था। उनके लिए इस गीत की ताकत बड़ी थी। उन्होंने विपक्ष पर हमला बोलते हुए कि पिछले दशकों में वंदे मातरम् के साथ इतना अन्याय क्यों हुआ। वंदे मातरम् के साथ विश्वासघात क्यों हुआ। वो कौन सी ताकत थी, जिसकी इच्छा पूज्य बापू की भावनाओं पर भी भारी पड़ी। वंदे मातरम् की 150 वर्ष की यात्रा अनेक पड़ावों से गुजरी है। जब वंदे मातरम् के 50 वर्ष पूरे हुए थे, तब देश गुलामी की जंजीरों में जकड़ा हुआ था। जब इसके 100 वर्ष पूरे हुए, तब देश आपातकाल के अंधेरे में था। आज जब इसके 150 वर्ष हो रहे हैं, तो भारत विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और तेजी से आगे बढ़ रहा है। 150 वर्ष उस महान अध्याय और उस गौरव को पुनः स्थापित करने का अवसर है। मोदी ने कहा कि मेरा मानना है कि देश और सदन, दोनों को इस अवसर को जाने नहीं देना चाहिए। यही वंदे मातरम् है, जिसने 1947 में देश को आजादी दिलाई। अब संसद में इस पर चर्चा की जरूरत क्यों पड़ी। दरअसल, सरकार चाहती है कि वंदे मातरम् पर चर्चा से देश में राष्ट्रभावना, सांस्कृतिक गौरव और एकता का संदेश जाए। यह विषय जनता में भावनात्मक जुड़ाव भी पैदा करता है। बता दें कि वंदे मातरम् का प्रकाशन 1882 में हुआ और यह आनंद मठ के उपन्यास में शामिल हुआ। पहली बार इसे 1896 में कांग्रेस के अधिवेशन में गाया गया और उस समय जल्द ही यह स्वतंत्रता आंदोलन का अनौपचारिक राष्ट्रगान बन गया। 1905 में बंग-भंग आंदोलन के दौरान यह गीत सड़कों पर गूंजने लगा और इसने लोगों को एकजुट करने का काम किया। इसी गीत ने आजादी की तड़प को लोगों के दिलों में और मजबूत किया। महात्मा गांधी और जवाहरलाल नेहरू जैसी महान हस्तियों ने भी इसकी भावना को सराहा। 1950 में जब भारत गणराज्य बना, तो जन-गण-मन को राष्ट्रगान चुना गया, लेकिन वंदे मातरम् को राष्ट्रीय गीत का दर्जा दिया गया। वंदे मातरम् का सम्मान करना चाहिए। इस गीत का महत्व कभी कम नहीं हो सकता। यह गीत हमारी मातृभूमि की सेवा और उसकी एकता के लिए प्रेरणा का स्रोत बने, न कि विभाजन का।

गतिरोध में थमती संसद की उत्पादकता

शीत सत्र
अजीत लाड़

> सत्र की शुरुआत से पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो संदेश दिया कि संसद का हर क्षण देश के विकास के लिए होना चाहिए, वह सिर्फ एक राजनीतिक टिप्पणी नहीं थी, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की मूल आत्मा का स्मरण था। संसद केवल एक इमारत या सामूहिक बैठकों का स्थल नहीं, वह केंद्र है जहां राष्ट्र के भविष्य की रूपरेखा बनती है। परंतु जैसे ही सत्र आरंभ हुआ, ठीक वही दृश्य सामने आया जो पिछले वर्षों की एक स्थायी प्रवृत्ति बन चुका है। नारे, हंगामा, वेल में उतरना और अंततः कार्यवाही स्थगित होना। ऐसे में समझना जरूरी है कि लोकतंत्र विरोध की व्यवस्था पर चलता है, किंतु विरोध जब निरंतर अवरोध में बदल जाए, तो यह केवल सरकार या विपक्ष की समस्या नहीं रहती। यह लोकतांत्रिक संस्कृति की समस्या बन जाती है।

भारत की संसद का यह शीतकालीन सत्र ऐसे समय शुरू हुआ है जब देश तेजी से बदलती वैश्विक परिस्थितियों, आर्थिक चुनौतियों और व्यापक नीतिगत निर्णयों के बीच खड़ा है। सत्र की शुरुआत से पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो संदेश दिया कि संसद का हर क्षण देश के विकास के लिए होना चाहिए। वह सिर्फ एक राजनीतिक टिप्पणी नहीं थी, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की मूल आत्मा का स्मरण था। संसद केवल एक इमारत या सामूहिक बैठकों का स्थल नहीं, वह केंद्र है जहां राष्ट्र के भविष्य की रूपरेखा बनती है। परंतु जैसे ही सत्र आरंभ हुआ, ठीक वही दृश्य सामने आया जो पिछले वर्षों की एक स्थायी प्रवृत्ति बन चुका है। नारे, हंगामा, वेल में उतरना और अंततः कार्यवाही स्थगित होना। ऐसे में यह समझना आवश्यक है कि लोकतंत्र विरोध की व्यवस्था पर चलता है। असहमति लोकतांत्रिक प्राण है। किंतु विरोध जब निरंतर अवरोध में बदल जाए, तो यह केवल सरकार या विपक्ष की समस्या नहीं रहती। यह लोकतांत्रिक संस्कृति की समस्या बन जाती है। पिछले कुछ सत्रों का डेटा स्पष्ट संकेत देता है कि संसद अपेक्षित स्तर पर काम नहीं कर पा रही। 2024 के मानसून सत्र में लोकसभा अपने निर्धारित समय का मात्र 29 प्रतिशत चली और राज्यसभा 34 प्रतिशत। सूचीबद्ध प्रश्नों में से 419 प्रश्नों पर केवल 55 उत्तर प्राप्त हुए। 2024 का शीतकालीन सत्र भी औसत से कम रहा। इससे पहले भी 2023 का बजट सत्र और कई अन्य सत्र, विभिन्न विवादों और बाहरी रिपोर्टों को आधार बनाकर, लगातार बाधित होते रहे। कुछ मुद्दे बाद में तकनीकी रूप से संदिग्ध या अधूरे पाए गए, लेकिन तब तक संसद का अनमोल समय नष्ट हो चुका था। यह प्रवृत्ति किसी एक दल की आलोचना नहीं, यह बताने योग्य चेतावनी है कि राजनीति की मौजूदा शैली अधीर होती जा रही है और बहस की परंपरा कमजोर पड़ रही है।

संसद का हर मिनट लगभग लाखों रुपये खर्च करता है और यह राशि जनता के टैक्स से आती है। संसद का बाधित होना केवल एक प्रशासनिक समस्या नहीं, यह आर्थिक संसाधनों के दुरुपयोग, नीति निर्माण की रुकावट और नागरिकों के विश्वास को कमजोर करने वाली स्थिति है। लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका अनिवार्य है। वह सरकार को कठोर प्रश्न पूछकर जवाबदेह बनाता है, गलतियों का खुलासा करता है और वैकल्पिक दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। फिर भी विपक्ष की शक्ति तभी सार्थक होती है जब वह सदन के भीतर बहस में सक्रिय हो। नारे बहस की जगह नहीं ले सकते और शोर रणनीति का विकल्प नहीं हो सकता। इसके विपरीत, सरकार ने पिछले 11 वर्षों में यह दिखाया है कि नीति-निर्माण और सुधार उसकी प्राथमिकता है व संसद के बाधित होने के बावजूद वह अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने में सक्षम रही है। नए संसद भवन का निर्माण, संसद की कार्यप्रणाली का डिजिटलीकरण, कागज-रहित कामकाज, अप्रासंगिक 1576 कानूनों को हटाना और 421 बिलों को पारित कराना, यह सब किसी भी सरकार के लिए असाधारण उपलब्धियां हैं। यह कार्य ऐसे समय में संभव हुआ है जब लगभग हर सत्र में किसी न किसी मुद्दे पर व्यवधान पैदा हुआ। वर्तमान शीतकालीन सत्र में सूचीबद्ध 13 महत्वपूर्ण विधेयक देश की अर्थव्यवस्था, सुरक्षा और प्रशासनिक ढांचे को सीधे प्रभावित करते हैं। परमाणु

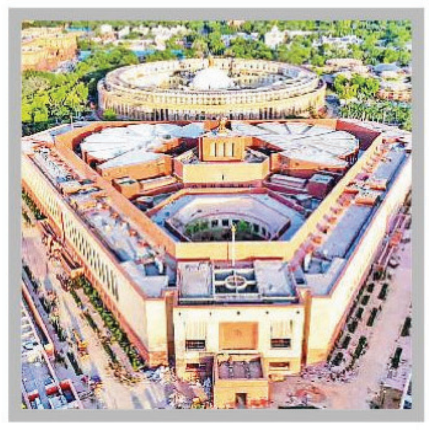

ऊर्जा प्रबंधन, राष्ट्रीय उच्च शिक्षा आयोग, दिवालियापन प्रक्रिया सुधार, सिक्योरिटीज मार्केट कोड, राजमार्ग संशोधन, बीमा और कर संबंधी कानूनों में बदलाव। ये सभी ऐसे निर्णय हैं जो भारत की उभरती अर्थव्यवस्था को अगले दशक की दिशा देंगे। ऐसे में जनता को यह जानने का अधिकार है कि इन महत्वपूर्ण विधेयकों पर गंभीर चर्चा क्यों नहीं हो पाती और सत्र बार-बार अवरोध का शिकार क्यों बनता है? आज भारत वैश्विक मंचों पर नीति-स्थिरता, सुधारवादी दृष्टि और प्रशासनिक दक्षता के कारण सम्मान प्राप्त कर रहा है। जब दुनिया ऊर्जा सुरक्षा, सप्लाई-चेन स्थिरता, तकनीकी प्रतिस्पर्धा और भू-राजनीतिक संतुलन की चुनौती देख रही है, भारत को अपनी नीतियों में त्वरित निर्णय और स्पष्ट दृष्टिकोण की आवश्यकता है। इस संदर्भ में संसद का हर सत्र देश की सामरिक और आर्थिक दिशा तय करने वाला निर्णायक क्षण बन जाता है। ऐसे समय में अवरोध की राजनीति केवल घरेलू नीतियों को नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत के प्रति विश्वास को भी प्रभावित कर सकती है। लोकतंत्र में बहस की संस्कृति केवल सत्ता बदलने का साधन नहीं, यह शासन की गुणवत्ता तय करती है। सरकार पर कठोर सवाल उठाना विपक्ष की जिम्मेदारी है, पर उन सवालों को प्रश्नकाल, शून्यकाल और विधायी बहसों में उठाया जाना चाहिए, न कि हंगामे में खो जाने देना चाहिए। लोकतंत्र को शोर की जरूरत नहीं, जवाबदेही की जरूरत है। फिर भी यह मानना गलत होगा कि सारा दोष केवल एक प्रवृत्ति या समूह का है। भारत की राजनीति में टकराव स्वाभाविक है, और कभी-कभी भावनाएं उग्र भी हो जाती हैं। इन सबसे परे परिपक्व लोकतंत्र वे हैं जो उस उग्रता को नियंत्रित कर लेते हैं, उसे बहस में ढाल देते हैं और नीति-निर्माण को प्राथमिकता देते हैं। यही वह राजनीतिक परिपक्वता है जिसे भारत को और मजबूती से अपनाने की आवश्यकता है। सरकार को जनता ने लगातार इसीलिए समर्थन दिया है क्योंकि उसका जोर रोजमर्रा की राजनीति के शोर से ऊपर उठकर परिणामों पर रहा है। जनधन योजना, जीएसटी, दिवालियापन कानून, डिजिटल पेमेंट संरचना, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण, यूपीआई विस्तार, महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य ढांचे का विकास, राष्ट्रीय सुरक्षा पर स्पष्ट नीति। ये वो सुधार हैं, जिन्होंने भारत की विकास दिशा तय की है। यही कारण है कि जनता सरकार से यह उम्मीद करती है कि वह अपनी नीतिगत प्रतिबद्धताओं पर मजबूती से आगे बढ़ती रहे और इस प्रक्रिया में विपक्ष का सहयोग या कम से कम, उसका संवैधानिक आचरण उतना ही आवश्यक है।

संसद का समय राष्ट्र का समय है। यह किसी दल या नेता का निजी परिसर नहीं, यह 140 करोड़ भारतीयों की सामूहिक आकांक्षा का केंद्र है। इसलिए संसद की गरिमा केवल भाषणों में नहीं, आचरण में दिखनी चाहिए। बहसें हों, कठोर सवाल उठें, सरकार घिरे, लेकिन यह सब प्रक्रिया के भीतर हो। जब संसद रुकती है तो देश रुकता है। जब कार्यवाही ठप होती है, तो भविष्य ठहर जाता है। भारत आज निर्णायक मोड़ पर है-आर्थिक उछाल, वैश्विक भरोसा, युवाओं की बढ़ती आकांक्षाएं और तकनीकी क्रांति। ये सब संकेत देते हैं कि आने वाला दशक भारत का हो सकता है। फिर भी यह तभी संभव है जब संसद अपनी मूल भूमिका में लौटे। बहस, तथ्य, नीति और राष्ट्रहित के आधार पर निर्णय हों। सरकार अपनी उत्पादकता बनाए रखे और विपक्ष अपनी सार्थक भूमिका निभाए। लोकतंत्र की सुंदरता इसी संतुलन में है। यही वह संतुलन है, जिसे इस सत्र में पुनः स्थापित करने की आवश्यकता है, क्योंकि अंततः लोकतंत्र की वास्तविक आवाज बहस में है, शोर में नहीं।

मंदिर जैसे उपासना स्थल क्यों बनाए जाते हैं?

संकलित
दर्शन

जब ईश्वर का वास हृदय में माना गया है, तो मंदिर जैसे उपासना स्थल क्यों बनाए जाते हैं? मंदिरों की स्थापना के पीछे उद्देश्य था कि पूजा, अर्चना और यज्ञ आदि द्वारा पवित्र तन्मात्रओं यानी पंचभूतों के सूक्ष्म रूप की सृष्टि की जाए। किसी साधु हृदय व्यक्ति को पूजा का कार्यभार सौंपा जाए। स्थान का मन पर अदृश्य प्रभाव पड़ता है। चिकित्सालय में व्यक्ति को हर तरफ रोग और रोगी ही दिखते हैं। स्वस्थ व्यक्ति भी वहां अशक्त महसूस करने लगता है। हमारे शरीर से प्रतिदिन शुभ या अशुभ अदृश्य सूक्ष्म शक्ति-राशि का उत्सर्जन होता रहता है। मंदिर जाने वाला व्यक्ति काम, क्रोध और आलस्य बाहर छोड़कर ईश्वर के प्रति भक्तिभाव से जाता है। यह सामूहिक भक्ति या उपासना शुभ तन्मात्रओं व तरंगों का सृजन करती है। अतः यहां आगमन दुर्बल मन वाले मनुष्यों में ऊर्जा का संचार करता है। सज्जनों से ही प्रार्थना स्थलों की पवित्रता बनी रहती है। यदि मंदिर में असाधु व्यक्तियों का आवागमन बढ़ जाए तो स्थान अपनी पवित्रता खोने लगता है। पवित्र श्रवण मास में शिवलिंग पर दुग्ध, बेलपत्र, फल-फूल आदि चढ़ाकर पुण्य अर्जित करने की होड़ लगी रहती है। यदि ईश्वर है और वह हमारी प्रार्थना से प्रसन्न होता है तो वह एक बेलपत्र, अंजुली भर दूध या एक पुष्प से भी प्रसन्न हो जाएगा। सावन के महीने से इतर भी ये दृश्य आमतौर पर मंदिरों में आम होते हैं। यदि यह व्यवस्था सुचारु न हो तो अव्यवस्था स्वाभाविक है। इसी कारण कई मंदिरों में व्यक्तिगत रूप से भोग-अर्पण की मनाही है।

बच्चों को अच्छे संस्कार देने पर दें ध्यान

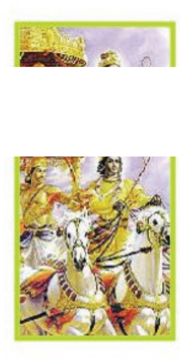

संकलित
प्रेरणा

महाभारत में दो खास परिवार हैं, पहला पांडव और दूसरा है कौरव। पांडव परिवार में कुंती और पांच पुत्र थे। जबकि कौरव परिवार में धृतराष्ट्र और गांधारी के साथ ही सौ पुत्र थे। पांडवों के पास सुख-सुविधाओं का अभाव था, जबकि कौरवों के पास सारी सुख-सुविधाएं थीं। महाभारत में कुंती अपने पांच पुत्रों के साथ वन में रह रही थीं, क्योंकि धृतराष्ट्र और दुर्योधन नहीं चाहते थे कि पांडु के पुत्रों को राज्य मिले। धृतराष्ट्र का पुत्र दुर्योधन अधर्मी था। वह बचपन से ही पांडव पुत्रों को परेशान कर रहा था। कुंती के पति पांडु शाप की वजह से मर चुके थे। पांडु की दूसरी पत्नी माद्री भी जीवित नहीं थी। इन दोनों के बाद कुंती को पांच पुत्रों का पालन करना था। तीन पुत्र कुंती के थे और दो पुत्र माद्री के थे। कुंती जानती थीं कि जंगल में तो कोई सुख-सुविधा तो मिलेगी नहीं, इसलिए कुंती ने बच्चों का पालन करते समय संस्कारों पर ज्यादा ध्यान दिया। दूसरी ओर कौरव पक्ष में धृतराष्ट्र अंधे थे, गांधारी ने भी आंखों पर पट्टी बांध ली थी। दुर्योधन और उसके भाई लगातार गलत काम कर रहे थे, लेकिन माता-पिता ने उनकी ओर ध्यान ही नहीं दिया। नतीजा ये हुआ कि सभी कौरव पुत्र अधर्मी हो गए। महाभारत युद्ध में जब श्रीकृष्ण को ये निर्णय लेना था कि किसके पक्ष में रहेंगे, तब उन्होंने धर्म मार्ग पर चल रहे पांडव पुत्रों को चुना। धृतराष्ट्र और गांधारी ने अपने पुत्रों को सुख-सुविधा की हर एक चीज दी थी, लेकिन अच्छे संस्कार नहीं दिए थे। संतान के मोह में धृतराष्ट्र ने दुर्योधन को सही-गलत का फर्क नहीं बताया।

दिवस विशेष

बाल मुकुन्द ओझा

भ्रष्टाचार के मकड़जाल में फंसी है पूरी दुनिया

दुनिया के लगभग हर देश में भ्रष्टाचार का बोलबाला है। लाख प्रयासों के बाद भी भ्रष्टाचार की इस महामारी से विश्व मुक्त नहीं हो पाया है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा लोगों में जन जागरण और चेतना जगाने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनेक दिवसों का आयोजन किया जाता है, इनमें एक दिवस भ्रष्टाचार के खिलाफ भी है। 9 दिसंबर को अंतरराष्ट्रीय भ्रष्टाचार विरोधी दिवस मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र का कहना है, भ्रष्टाचार का मुकाबला करने की खातिर वैश्विक प्रतिबद्धता सुनिश्चित करने के लिए सभी देशों को मिलकर काम करना होगा। एक रिपोर्ट के मुताबिक दुनियाभर में रिश्वत की वार्षिक मात्रा एक ट्रिलियन डॉलर आंकी गई है। भ्रष्टाचार के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था को 2.6 ट्रिलियन डॉलर का नुकसान होता है, जो वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद के पांच प्रतिशत से अधिक है। यह अकाट्य सत्य है कि दुनियाभर में भ्रष्टाचार की वजह से न केवल आर्थिक विकास पर असर पड़ता है बल्कि लोकतंत्र के प्रति विश्वास को भी ठेस पहुंचती है। विश्व का कोई भी देश भ्रष्टाचार से सुरक्षित नहीं है। भ्रष्टाचार आर्थिक विकास में बाधक है, लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाता है। भ्रष्टाचार से सामाजिक असामानता फैलती है। हर साल ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल जैसी वैश्विक संस्था अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रैंकिंग भी जारी करता है, जिसमें भ्रष्टतम देश शामिल किए जाते हैं। मगर लाख प्रयासों के बाद भी भ्रष्टाचार पर कोई प्रभावी अंकुश नहीं लगाया जा सका। यह हमारे सिस्टम का फेलियोर है या सत्ताधीशों का, इस पर चिंतन और मनन की जरूरत है। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक भ्रष्टाचार अपराध है जो सामाजिक और आर्थिक विकास को कमजोर करता है। वर्तमान में भ्रष्टाचार से कोई देश, क्षेत्र या समुदाय बचा नहीं है। इससे लोकतांत्रिक मूल्यों का क्षरण हो रहा है। भ्रष्टाचार का शाब्दिक अर्थ है भ्रष्ट आचरण यानि जिसका आचार बिगड़ गया हो। स्वार्थ में लिप्त होकर किया गया गलत कार्य भ्रष्टाचार होता है। भ्रष्टाचार के कई रूप हैं- रिश्वत, कमीशन लेना, काला बाजारी, मुनाफाखोरी, मिलावट, कर्तव्य से भागना, चोर-अपराधियों आतंकियों को सहयोग करना आदि आदि। इसका सीधा मतलब है जब कोई व्यक्ति समाज द्वारा स्थापित नैतिकता के आचरण का उल्लंघन करता है तो वह भ्रष्टाचारी कहलाता है। यहां भ्रष्टाचार से हमारा तात्पर्य अनैतिक और गलत तरीके से अर्जित आय से है। भारत में भ्रष्टाचार ने लगता है संस्थागत रूप धारण कर लिया है। भारत के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने खुलेआम यह कहा है कि वे न तो खाएंगे और न खाने देंगे। मोदी अपनी बात पर कायम रहे, मगर भ्रष्टाचार पर काबू नहीं पाया जा सका है। दुनिया के भ्रष्टाचार पर नजर रखने वाली संस्था ट्रांसपरेंसी इंटरनेशनल इंडिया के द इंडिया करप्शन सर्वे 2024 के भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक में भारत 180 देशों में 96वें स्थान पर रहा। इससे पहले साल 2023 में 93 और 2022 में भारत की रैंकिंग 85 थी, जो इस साल बढ़कर 96 हो गई है। दुनिया में सबसे भ्रष्ट देश सोमालिया है, जबकि सबसे कम भ्रष्ट डेनमार्क है, जो लगातार छठे साल भी ग्लोबल करप्शन इंडेक्स में टॉप पर है।

140 करोड़ की आबादी का आधा भारत आज रिश्वतखोरी के मकड़जाल में फंसा हुआ है। स्थिति यह हो गई है कि बिना रिश्वत दिए आप एक कदम भी आगे नहीं बढ़ सकते। हमारे देश में भ्रष्टाचार इस हद तक फैल चुका है कि इसने समाज की बुनियाद को हिलाकर रख दिया है। जब तक मुट्ठी गर्म न की जाए तब तक कोई काम ही नहीं होता। एनसीआरबी और लोकल सर्कल इंडिया करप्शरन सर्वे रिपोर्ट में यह भी उल्लेकख किया गया है कि लोगों को सबसे ज्यादा घूस जमीन से जुड़े मामलों में देनी पड़ रही है। इसके बाद दूसरे सबसे भ्रष्ट महकमों में पुलिस शामिल है। भ्रष्टाचार एक संचारी बीमारी की भांति इतनी तेजी से फैल रहा है कि लोगों को अपना भविष्य अंधकार से भरा नजर आने लगा है और कहीं कोई भ्रष्टाचार मुक्त समाज की उम्मीद नजर नहीं आ रही है। मंत्री से लेकर संतरी और नेताओं तक पर भ्रष्टाचार के दलदल में फंसे है। भ्रष्टाचार हमारे सामाजिक, आर्थिक और नैतिक जीवन मूल्यों पर सबसे बड़ा प्रहार है। भ्रष्टाचार को रोकने के लिए कठोर कानून और दंड-व्यवस्था की जानी चाहिए। जब तक समाज एकजुट होकर भ्रष्टाचार पर हमला नहीं करेगा तब तक इस बीमारी को जड़मूल से समाप्त नहीं किया जा सकता।

(लेखिका स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

अंतर्मन

आज की पाती

अन्याय कभी भी सहन मत करो

यदि आज हम किसी अन्य के साथ हो रहे अन्याय का विरोध नहीं करते, तो यकीन मानिए एक दिन हम स्वयं भी उसी अन्याय का शिकार अवश्य ही होंगे। यही समय है, यही पल, यही क्षण है। ये इंतजार कभी भी नहीं कीजिए, कि केवल हमारे ही साथ कहीं कभी अन्याय होगा, तभी हम किसी सड़ी हुई विकृत व्यवस्था का विरोध करेंगे। फिर उस वक्त व्यर्थ के रुदन, रोने-धोने से कोई लाभ, कोई सकारात्मक प्राप्ति होना अत्यंत ही कठिन या संभवतः असंभव हो सकता है। एक बहुत प्रसिद्ध उक्ति है कि न्याय में देरी, लगभग अन्याय के ही बराबर है। देश, समाज, दुनिया में कहीं एक जगह, किसी एक के साथ हो रहा अन्याय, हर जगह अन्याय होना भी माना जा सकता है। आम तौर पर लोग अन्याय का विरोध नहीं करते हैं, जिसके परिणाम भयंकर होते हैं। इसलिए अन्याय कभी भी सहन मत करो।

- पवन सोनी, धमतरी

ट्रेंड

नई चेतना का संचार

'सुप्रभातम कार्यक्रम में मैं एक विशेष हिस्से की ओर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा। यह है संस्कृत सुभाषित। इसके माध्यम से भारतीय संस्कृति और विरासत को लेकर एक नई चेतना का संचार होता है। यह है आज का सुभाषित।'

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

मन को संतुष्टि मिली

'श्री हरमंदिर साहिब में शीश नवाने के बाद मेरे मन को संतुष्टि मिली। वाहेगुरु जी, आप अपनी कृपा दृष्टि सभी पर बनाए रखें।' मैं दिल्ली के लाल किले में गुरु तेग बहादुर के 350वें शहादत दिवस कार्यक्रम के सफल आयोजन के बाद शुक्रिया अदा करने आई हूं।

-रेखा गुप्ता, सीएम, दिल्ली

आप हमेशा मेरे साथ रहेंगे

धरम जी, जन्मदिन मुबारक हो..आपको गए हुए दो सप्ताह से अधिक समय बीत चुका है। मैं धीरे-धीरे खुद को संभाल रही हूं। आप हमेशा मेरे साथ रहेंगे" आपके साथ बिताई जीवन की 'खुशनुमा यादें' कभी मिट नहीं सकतीं। इन पलों को याद करके बड़ा सुकून व खुशी मिलती है।

-हेमा मालिनी, सांसद

बेहतर महसूस कर रहा

मैं अब काफी बेहतर महसूस कर रहा हूं। मुझे लगता है कि जिस दिन मैं यहां आया था, उस दिन से लेकर आज तक मैंने कौशल विकास और अभ्यास के कई सत्रों में हिस्सा लिया है। सीओई ने खेलने की अनुमति दे दी है।

-शुभमन गिल, उपकप्तान, भारतीय टी20 टीम

करंट अफेयर

अमेरिकी रक्षा नीति में भारत से व्यापक संबंध बनाने पर जोर

अमेरिका के वार्षिक रक्षा नीति विधेयक में भारत के साथ विशेषकर 'क्वाड' के माध्यम से सहभागिता बढ़ाने पर जोर दिया गया है ताकि हिंद-प्रशांत क्षेत्र को मुक्त एवं खुला बनाए रखने के साझा लक्ष्य को आगे बढ़ाया जा सके और चीन से उत्पन्न चुनौतियों का सामना किया जा सके। रविवार को संसदीय नेताओं द्वारा जारी वित्त वर्ष 2026 के लिए राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकार अधिनियम (एनडीएए) में हिंद-प्रशांत क्षेत्र में रक्षा गठबंधनों और साझेदारियों पर अमेरिकी संसद की राय को रेखांकित किया गया है। विधेयक में कहा गया है कि रक्षा मंत्री को चीन के साथ रणनीतिक प्रतिस्पर्धा में अमेरिका की तुलनात्मक बढ़त को बढ़ाने के लिए इस क्षेत्र में अमेरिकी रक्षा सहयोगियों और साझेदारियों को मजबूत करने के प्रयास जारी रखने चाहिए। इन प्रयासों में 'भारत के साथ अमेरिकी संबंधों को व्यापक बनाना, जिसमें चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद (क्वाड) के माध्यम से द्विपक्षीय और बहुपक्षीय संबंधों तथा सैन्य अभ्यासों में भागीदारी, रक्षा व्यापार का विस्तार तथा मानवीय सहायता और आपदा प्रतिक्रिया पर सहयोग के माध्यम से एक स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के साझा उद्देश्य को आगे बढ़ाना शामिल है।'

ऑफ बीट

क्या कॉफी वाकई कैफीन मुक्त होती है

डिकैफ़िनेटेड या 'कैफीन मुक्त' कॉफ़ी व्यापक रूप से उपलब्ध है, और इसकी खपत में वृद्धि होने की सूचना है। यहां आपको कैफीन मुक्त कॉफ़ी के बारे में जानने की आवश्यकता है: यह कैसे बनाई जाती है, स्वाद, लाभ – और क्या यह वास्तव में कैफीन मुक्त है। डिकैफ़ कैसे बनता है? कॉफ़ी बीन की सुगंध और स्वाद को बरकरार रखते हुए कैफीन को हटाना कोई आसान काम नहीं है। डिकैफ़ कॉफ़ी हरे, बिना भुने कॉफ़ी बीन्स से उनकी कैफीन सामग्री को हटाकर बनाई जाती है और इस तथ्य पर निर्भर करती है कि कैफीन पानी में घुल जाता है। कैफीन को हटाने के लिए तीन मुख्य तरीकों का उपयोग किया जाता है: रासायनिक सॉल्वैंट्स, तरल कार्बन डाइऑक्साइड (सीओ2), या विशेष फिल्टर वाला सादा पानी। इन सभी प्रसंस्करण विधियों में आवश्यक अतिरिक्त कदमों के कारण डिकैफ़ कॉफ़ी अक्सर अधिक महंगी होती है। अधिकांश डिकैफ़ कॉफी विलायक-आधारित तरीकों का उपयोग करके बनाई जाती है क्योंकि यह सबसे सस्ती प्रक्रिया है। यह विधि दो और प्रकारों में विभाजित है: प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष। प्रत्यक्ष विधि में कॉफी बीन्स को भाप में पकाना और फिर उन्हें बार-बार एक रासायनिक विलायक (आमतौर पर मेथिलीन क्लोराइड या एथिल एसीटेट) में भिगोना शामिल है जो कैफीन से बंध जाता है और इसे बीन्स से निकालता है।

खबर संक्षेप

कर्नाटक में भाजपा का किसान आंदोलन तेज

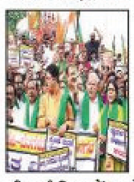

बेंगलुरु। भाजपा ने कर्नाटक में बड़ी संख्या में किसानों के साथ विरोध प्रदर्शन किया। पार्टी ने कांग्रेस सरकार की कथित किसान विरोधी नीतियों की निंदा की। प्रदर्शन में भाजपा अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र, नेता प्रतिपक्ष आर अशोक, चलवाड़ी नारायणस्वामी कई विधायक, सदस्य थे।

भाटी को कोर्ट ने सुनाई 9 साल की सजा

नोएडा। ग्रेटर नोएडा की कासना कोतवाली में दर्ज गैंगस्टर के एक मामले में जिला न्यायालय ने सुंदर भाटी सहित 10 लोगों को दोषी करार देते हुए 9-9 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। सिंहराज, विकास पंडित, योगेश, ऋषिपाल, बॉबी, सोनू, यतेंद्र चौधरी, अनूप पर जुर्माना किया है।

प्रोड्यूसर विक्रम, पत्नी 7 दिन की रिमांड पर

मुंबई। बॉलीवुड से जुड़ा वित्तीय धोखाधड़ी का मामला राजस्थान की उदयपुर अदालत में निर्णायक आ गया। बायोपिक घोटाले में आरोपी फिल्म निर्माता विक्रम भट्ट और उनकी पत्नी श्वेतांबरी को कोर्ट ने 7 दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया। 30 करोड़ की धोखाधड़ी का मामला है।

राज्यों में एसआईआर के काम में 'बाधा' पर शीर्ष अदालत सख्त

चुनाव आयोग के पास सारी शक्तियां मौजूद धमकियों को संज्ञान में लाएं, हम आदेश देंगे

कार्य में राज्य सरकारों द्वारा सहयोग की कमी को गंभीरता से लेने को कहा

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने पश्चिम बंगाल और अन्य राज्यों में बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) को धमकाने के अलावा चुनाव आयोग की तरफ से कराए जा रहे मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के काम में कथित तौर पर बाधा डालने की घटनाओं को गंभीरता से लिया है। कोर्ट ने एक मामले की सुनवाई के दौरान निर्वाचन आयोग से मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य में विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा सहयोग की कमी को गंभीरता से लेने को कहा।

सीजेआई सूर्यकांत और जॉयमाल्या बागची की पीठ ने ईसी से कहा कि वह एसआईआर के काम में अलग-अलग राज्य सरकारों की तरफ से सहयोग की कमी को गंभीरता से लें। कोर्ट ने कहा, अगर हालात और बिगड़ते हैं तो पुलिस को तैनात करने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचेगा। ईसी ने कहा कि उनके पास सभी सांविधानिक शक्तियां हैं, जिससे हम बीएलओ और अन्य अधिकारियों को धमकाने की घटनाओं से डील कर सकते हैं। कोर्ट ने कहा कि चुनाव पैनल चुनाव प्रक्रिया शुरू होने तक पुलिस को अपने अधिकार क्षेत्र में नहीं ले सकता। इससे निपटें वरना इन हालातों से अराजकता हो सकती है।

सीजेआई और जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा

पुलिस की तैनाती के अलावा रास्ता नहीं बचेगा

तनाव से आत्महत्या करने का सवाल ही नहीं उठता

देश का सर्वोच्च न्यायालय

ईसी की तरफ से अदालत में पेश वरिष्ठ वकील राकेश द्विवेदी ने बताया कि पश्चिम बंगाल में तनाव के कारण बीएलओ के आत्महत्या करने का कोई सवाल ही नहीं उठता, क्योंकि उन्हें 30-35 वोटरों के 6-7 घरों की गिनती का काम करना होता है। इस पर जस्टिस बागची ने कहा कि यह डेस्क का काम नहीं है और बीएलओ को घर-घर जाकर गिनती का फॉर्म भरना होता है और फिर उसे अपलोड करना होता है। जस्टिस बागची ने कहा कि यह उतना आसान नहीं है जितना दिखता है।

तब चेतावनी देकर छोड़ दिया गया

71 साल के राकेश किशोर तब सुर्खियों में आए थे जब इसी साल 6 अक्टूबर को उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में एक मामले की सुनवाई से दौरान तब ते सीजेआई बीआर गवई की ओर जूता फेंकने का प्रयास किया। तत्काल प्रभाव से उनका लाइसेंस निलंबित कर दिया गया था। प्रधान न्यायाधीश ने अदालत के अधिकारियों और मौजूद सुरक्षाकर्मियों से इसे 'अनदेखा' करने को कहा और दोषी वकील को चेतावनी देकर छोड़ दिया।

बंगाल में 5 विशेष आईएएस नियुक्त

पश्चिम बंगाल में जिन अधिकारियों को नियुक्त किया गया है, उनमें रक्षा मंत्रालय के संयुक्त सचिव कुमार रवि कांत सिंह को प्रेसिडेंसी संभाग के लिए एसआरओ बनाया गया है, जबकि गृह मंत्रालय के नीरज कुमार बांसोद को मेदिनीपुर संभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के कृष्ण कुमार निराला बर्दवान संभाग के लिए एसआरओ होंगे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी के ऑफिस के एक अधिकारी ने बताया कि एसआरओ की नियुक्ति से सभी संभागों में एसआईआर प्रक्रिया की जांच मजबूत होगी। राज्य में मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण 4 नवंबर को शुरू हुआ था। अंतिम मतदाता सूची 14 फरवरी 2026 को जारी की जाएगी।

पूर्व सीजेआई पर जूता उछालने वाले वकील को चप्पल से पीटा

तत्कालीन सीजेआई बीआर गवई पर जूता उछालने के आरोपी वकील राकेश किशोर पर हमले का मामला सामने आया है। कड़कड़डूमा कोर्ट परिसर में राकेश किशोर पर एक वकील ने चप्पल से हमला कर दिया। वीडियो में वकील राकेश 'सनातन धर्म की जय' का नारा लगाते हुए दिख रहे हैं। वीडियो में हमलावर का चेहरा नहीं दिख रहा है। राकेश किशोर ने भी हाथ चलाकर जवाब देने की कोशिश की। इस दौरान पहले वह यह पूछते रहे कि क्यों उन पर हमला किया जा रहा है? आसपास मौजूद वकीलों और अन्य लोगों ने बीच बचाव करते हुए स्थिति को संभाला। बाद में वकील ने दावा किया कि वह मध्यप्रदेश के खजुराहो मंदिर परिसर में भगवान विष्णु की मूर्ति की पुनर्स्थापना के अनुरोध वाली याचिका पर हाल में हुई सुनवाई के दौरान सीजेआई की टिप्पणी से नाखुश थे।

अब तक बार एसोसिएशन को कोई शिकायत नहीं दर्ज कराई गई

शाहदरा बार एसोसिएशन के महासचिव नरवीर डबास का कहना है कि एसोसिएशन को इस बाबत दो वकीलों के बीच कहासुनी की जानकारी मिली है। हालांकि किसी भी तरफ से कोई शिकायत अब तक प्राप्त नहीं हुई है। यदि कोई भी पक्ष इस घटना की शिकायत करता है तो एसोसिएशन इस पर कार्रवाई करेगी।

मंदिर में दीप जलाने का फैसला

जज स्वामीनाथन पर महाभियोग पेश प्रियंका समेत 100 सांसदों ने दी अर्जी

मद्रास उच्च न्यायालय

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

मद्रास हाईकोर्ट के जस्टिस जीआर स्वामीनाथन के खिलाफ कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा और इंडिया गठबंधन के 100 से ज्यादा सांसदों ने संसद में महाभियोग लाने के लिए प्रस्ताव पेश किया है। यह कदम जस्टिस स्वामीनाथन द्वारा दिए गए एक आदेश को लेकर उठाया जा रहा है।

जस्टिस जीआर स्वामीनाथन ने 4 दिसंबर को एक मंदिर और दरगाह से जुड़े मामले में हिंदुओं के पक्ष में फैसला दिया था। उन्होंने सुब्रमनिया स्वामी मंदिर के अधिकारियों को दूसरे पक्ष के विरोध के बावजूद दीपथून पर शाम 6 बजे तक दीपक जलाने का आदेश दिया था। इससे तमिलनाडु सरकार काफी भड़क गई थी और आदेश मानने से ही इनकार कर दिया था।

मंदिर के अधिकारों की पुष्टि

विरोध का कारण इसकी सिकंदर बादशाह दरगाह से निकटता थी। इसके अलावा कार्तिकई दीपम आमतौर पर पहाड़ी पर स्थित उचिपेल्लैयार मंदिर के पास दीपा मंडपम पर जलाया जाता है। जस्टिस स्वामीनाथन ने इन सभी आपत्तियों को खारिज कर दिया। अपने फैसले में न्यायाधीश ने स्पष्ट कहा कि दीपथून पर दीप जलाने से दरगाह या मुसलमानों के अधिकारों पर कोई असर नहीं होगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि यदि दीप नहीं जलाया गया तो इससे मंदिर के अधिकार खतरे में पड़ सकते हैं। आरोप था कि मस्जिद के ट्रस्टी कथित तौर पर पहाड़ी के खाली हिस्सों पर अतिक्रमण करने का प्रयास कर रहे हैं।

मंदिर प्रबंधन सतर्क रहे

जज ने कहा कि भले ही यह परंपरा का मामला न हो,लेकिन दीपथून पर दीप जलाकर मंदिर का शीर्ष पर अधिकार जताना जरूरी है। उन्होंने 1923 के एक फैसले का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि मस्जिद ट्रस्टी यथास्थिति को भंग कर रहे हैं। मंदिर प्रबंधन को संपत्ति पर अतिक्रमण के प्रयास को रोकने के लिए चौकस रहना चाहिए।

तमिलनाडु सरकार ने नहीं माना फैसला

जस्टिस स्वामीनाथन के आदेश को तमिलनाडु सरकार ने लागू करने से मना कर दिया। सरकार ने इसके पीछे कानून-व्यवस्था बिगड़ने का हवाला दिया है। इसी पर अब विपक्ष महाभियोग की तैयारी में है। तमिलनाडु सरकार इस आदेश को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई है।

अनिल अंबानी के बाद अब बेटे अनमोल के खिलाफ सीबीआई एक्शन में

228 करोड़ के घोटाले में एफआईआर दर्ज,घर सहित कई स्थानों पर छापेमारी

दस्तावेज, ऋण खाते और आंतरिक रिकॉर्ड की गहन जांच जारी

3 साल तक धन का दुरुपयोग किया

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

उद्योगपति अनिल अंबानी की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। ईडी द्वारा हाल ही में 1,120 करोड़ रुपए की संपत्तियां जब्त करने के बाद अब सीबीआई ने उनके बेटे जय अनमोल अंबानी के खिलाफ धोखाधड़ी का आपराधिक मामला दर्ज किया है। यह कार्रवाई यूनियन बैंक ऑफ इंडिया को 228.06 करोड़ के कथित नुकसान से जुड़ी है। सोमवार को सीबीआई ने कंपनी के कार्यालयों तथा जय अनमोल अंबानी के निवास स्थान पर छापेमारी भी शुरू की। एजेंसी दस्तावेज, ऋण खाते और आंतरिक रिकॉर्ड की गहन जांच कर रही है। अनिल का रिलायंस समूह 17,000 करोड़ के ऋणों में अनियमितताओं के लिए मनी लॉन्डिंग जांच का सामना कर रहा है।

अनमोल अंबानी, अनिल अंबानी

सीबीआई की बैंकिंग सिक्योरिटी एंड फ्रॉड ब्रांच ने 6 दिसंबर 2025 को नई दिल्ली में एफआईआर दर्ज की। इसमें रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड (आरएचएफएल) के पूर्व निदेशक जय अनमोल अंबानी, पूर्व सीईओ एवं पूर्णकालिक निदेशक रवींद्र शरद सुधाकर, अज्ञात सहयोगियों तथा कुछ अज्ञात लोक सेवकों को नामजद किया गया है। आरोप है कि 1 अप्रैल 2016 से 30 जून 2019 के बीच धोखाधड़ी और धन के दुरुपयोग की घटनाएं हुईं।

यूनियन बैंक ने की थी शिकायत

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की मुंबई स्थित परिसंपत्ति प्रबंधन शाखा के उप महाप्रबंधक अनूप विनायक तराले की शिकायत पर यह कार्रवाई हुई। 2015 में आरएचएफएल ने आंध्रा बैंक (अब यूनियन बैंक में विलय) से संपर्क किया था। बैंक ने 200 करोड़, 150 करोड़ और 100 करोड़ रुपए दिए थे।

फंड डायवर्जन का खुलासा

5 मई 2020 की फोरेंसिक ऑडिट रिपोर्ट में गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। कुल 12,573.06 करोड़ के लगभग 86% कॉर्पोरेट ऋण संभावित रूप से जुड़ी हुई संस्थाओं को दिए गए थे, जिनमें पुनर्भुगतान क्षमता या पर्याप्त कोलेटरल का उचित आकलन नहीं किया गया था। लगभग 40% राशि (3,573.06 करोड़) आवास वित्त के मूल उद्देश्य के बजाए ग्रुप कंपनियों के पुराने ऋण चुकाने में इस्तेमाल की गई। 18% राशि (1,610.13 करोड़) सर्कुलर ट्रांजेक्शन में फंसी दिखी, जिसमें धन वापस आरएचएफएल को ही लौटाया गया। शेष 22% राशि (1,934.88 करोड़) के अंतिम उपयोग का पता नहीं चल सका।

राष्ट्रपति ने नई दिल्ली में हस्तशिल्प पुरस्कार प्रदान किए

हस्तशिल्प हमारी सांस्कृतिक पहचान का हिस्सा व आजीविका का अहम स्त्रोत बना

यह समावेशी विकास को बढ़ावा दे रहा

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को नई दिल्ली में वर्ष 2023 और 2024 के लिए राष्ट्रीय हस्तशिल्प पुरस्कार प्रदान किए। राष्ट्रपति ने कहा कि कला हमारे अतीत की स्मृतियों, वर्तमान के अनुभवों और भविष्य की आकांक्षाओं को प्रतिबिंबित करती है। प्राचीन काल से ही मनुष्य चित्रकला या मूर्तिकला के माध्यम से अपनी भावनाओं को अभिव्यक्त करता रहा है। कला लोगों को संस्कृति से जोड़ती है। कला लोगों को एक-दूसरे से भी जोड़ती है।

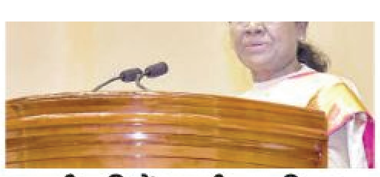

उन्होंने कहा कि हस्तशिल्प न केवल हमारी सांस्कृतिक पहचान का हिस्सा हैं, बल्कि आजीविका का एक महत्वपूर्ण स्त्रोत भी हैं। यह क्षेत्र देश में 32 लाख से ज्यादा लोगों को रोजगार देता है। हस्तशिल्प से रोजगार और आय प्राप्त करने वाले ज्यादातर लोग ग्रामीण या दूरदराज के इलाकों में रहते हैं। यह क्षेत्र रोजगार और आय का विकेंद्रीकरण करके समावेशी विकास को बढ़ावा देता है।

हमारी सदियों पुरानी हस्तशिल्प परंपरा जीवंत और संरक्षित

राष्ट्रपति ने कहा कि यदि हमारी सदियों पुरानी हस्तशिल्प परंपरा जीवंत और संरक्षित बनी हुई है, तो इसका श्रेय पीढ़ी दर पीढ़ी हमारे कारीगरों की प्रतिबद्धता को जाता है। हमारे कारीगरों ने अपनी कला और परंपरा को बदलते समय के साथ ढाला है और साथ ही मूल भावना को भी जीवित रखा है।

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०

ईश्तहार :-

रा०प्र०क्र०- /अ-6/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती संगीता जायसवाल पत्नि श्री नरेश कुमार जायसवाल, उम्र 42 वर्ष, जाति जायसवाल, निवासी बौरीपारा, अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ.ग.) के द्वारा तदाशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है. कि भूमि स्वामी श्यामदेव जायसवाल द्वारा स्वयं के स्वामित्व व आधिपत्य की शीट नं. 03. मोहल्ला बौरीपारा (पाण्डेयपुर) नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लॉट नं. 1811 रकबा 0.37 एकड़ में से रकबा 201.52 वर्गमीटर भूमि का पंजीबद्ध वसीयतनामा दिनांक 21.12.2021 का निष्पादन आवेदिका के पक्ष में किया गया है। भूधारक / वसीयतकर्ता श्यामदेव जायसवाल की मृत्यु दिनांक 07.12.2023 हो गयी है। अतः वसीयतकर्ता/भूधारक की मृत्यु हो जाने उपरांत उक्त पंजीबद्ध वसीयतनामा के आधार पर उक्त वसीयतशुदा नजूल भूमि के अभिलेख से भूधारक का नाम विलोपित कर स्वयं का नाम दर्ज किये जाने हेतु वसीयतनामा की छायाप्रति मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग भू राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 29/12 / 2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 01/12/2025 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०

ईश्तहार

रा०प्र०के० /अ-6/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका शकुन्तला जायसवाल पत्नि स्व. श्यामदेव जायसवाल, उम्र 60 वर्ष, जाति जायसवाल, निवासी ग्राम घूर, पो० थाना एवं तहसील ओड़गी, जिला सूरजपुर (छ.ग.) के द्वारा तदाशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है. कि भूमि स्वामी श्यामदेव जायसवाल द्वारा स्वयं के स्वामित्व व आधिपत्य की शीट नं. 03. मोहल्ला बौरीपारा (पाण्डेयपुरा) नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लॉट नं. 1811 रकबा 0.37 एकड में से रकबा 1856 वर्गफीट भूमि का पंजीबद्ध वसीयतनामा दिनांक 21/12/2021 का निष्पादन आवेदिका के पक्ष में किया गया है। भूधारक / वसीयतकर्ता श्यामदेव जायसवाल की मृत्यु दिनांक 07/12/2023 को हो गयी है। अतः वसीयतकर्ता/भूधारक की मृत्यु हो जाने उपरांत उक्त पंजीबद्ध वसीयतनामा के आधार पर उक्त वसीयतशुदा नजूल भूमि के अभिलेख से भूधारक का नाम विलोपित कर स्वयं का नाम दर्ज किये जाने हेतु वसीयतनामा की छायाप्रति मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 29/12 / 2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपतित पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 01/12/2025 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

जन शिकायत निस्तारण में जनपद सोनभद्र प्रदेश में प्रथम स्थान पर

सोनभद्र। प्रदेश स्तर पर जारी नवीनतम आईजीआरएस (कऋफर) रैंकिंग में जन शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण एवं त्वरित निस्तारण के मामले में जनपद सोनभद्र ने प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इस उत्कृष्ट उपलब्धि का श्रेय पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के दूरदर्शी नेतृत्व, निरंतर मॉनिटरिंग तथा जन शिकायतों के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण को जाता है। उनके निर्देशन में सभी प्रकरणों का– प्राथमिकता के आधार पर, संवेदनशीलता के साथ, तथा उच्च गुणवत्ता परक एवं समयबद्ध निस्तारण कराया गया

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)

रा.प्र.क्र.ब/121 वर्ष

ग्राम - प.ह.न.

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक रामेश्वर सिंह पिता जयसिंह जाति गोड निवासी ग्राम बसकर प.ह.न. रा.नि.मं. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के पुत्र संस्कार का जन्म दिनांक 22/12/2018 को ग्राम बसकर में हुई है, अज्ञानतावश जन्म पंजीयन नही करा पाया है। आवेदक अपने पुत्र संस्कार का जन्म पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत बसकर को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो 'स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 15/12/2025 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक 21/11/25 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
भैयाथान जिला - सूरजपुर (छ०ग०)

न्यायलय अनुविभागीय अधिकारी (रा०) भैयाथान, जिला सूरजपुर (छ०ग०)

-ईश्तहारः-

रा०प्र०क्र० /अ-2/2024-25

एतद् द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम पंचायत खडगवा जिला सूरजपुर को सूचित किया जाता है कि श्री संजय कुमार पिता/पति श्री मुन्नालाल निवासी बिरमताल के द्वारा अपने स्वत्व एवं अधिपत्य की भूमि खसरा नं० 803/6रकबा 0.02 हे० जो ग्राम खड़गवा प.ह.नं10 रा०नि०म० शिवप्रसाद नगर तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर में स्थित है के आवासीय भू-परिवर्तन (डायवर्सन) हेतु इस न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त संबंध में ग्राम पंचायत खड़गवा क्षेत्र के किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से प्रकरण में नियत दिनांक 21/12/2025 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति पेश कर सकता है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक 10/12/2025. को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायलय की मुद्रा से जारी किया गया है।

अनुविभागीय अधिकारी (रा०)
भैयाथान जिला-सूरजपुर (छ०ग०)

जिला वृक्षारोपण समिति, पर्यावरण समिति एवं गंगा समिति की बैठक सम्पन्न

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सोनभद्र। जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में जिला वृक्षारोपण समिति, पर्यावरण समिति एवं गंगा समिति की बैठक की गयी, बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि वृक्षारोपण हेतु जिन विभागों को जो भी लक्ष्य दिये गये हैं, उसके अनुरूप वृक्षारोपण हेतु स्थल चिन्हित कर लें। उन्होंने वन विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जिन विभागों द्वारा वृक्षारोपण हेतु फलदार पौधों की डिमाण्ड की जाती है, उन्हे पौध रोपण हेतु फलदार पौधे उपलब्ध करायें, इस दौरान उन्होंने कहा कि जिन विभागों को फलदार पौधों की आवश्यकता हो, वह वन विभाग को पौधों की संख्या उपलब्ध करा दें, इस दौरान उन्होंने कहा कि समाचार पत्रों के माध्यम से यह जानकारी संज्ञान में आता है कि कम्पनियों से निकलने वाले फ्लाई ऐश सड़क के किनारे ट्रक, डम्फर द्वारा फेंक कर चले जाते हैं, फ्लाईऐश सड़क के किनारे गिरने से दुर्घटना की संभावना बनी रहती है, इस तरह के कार्य करने वाले ट्रान्सपोर्टरों, ट्रक मालिकों व कम्पनियों के विरूद्ध पेनाल्टी की कार्यवाही प्रदूषण विभाग, ए0आर0टी0ओ0 व वन विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्यवाही करना सुनिश्चित करें। सड़कों पर ओवर लोड कुड़ायुक्त वाहन जो कचरा सड़कों पर गिरा देते हैं, ऐसे वाहनों के विरूद्ध भी कार्यवाही सुनिश्चित की जाये। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रत्येक महीने ग्राम पंचायतों में ग्रीन चैपाल का आयोजन शासन के निर्देश के क्रम में किया जायेगा। इस बार ग्रीन चैपाल का आयोजन जुगैल ग्राम में 12 दिसम्बर,2025 (शुक्रवार) को किया जायेगा। इस दौरान उन्होंने कहा कि सोन नदी के किनारे बसे गांवों में आर्गेनिक खेती करने हेतु जागरूक किया जाये, जिससे कम पानी की लागत में अधिक उत्पादन हो सकें इस मौके पर जिला विकास अधिकारी हेमन्त कुमार सिंह, डीएफओ राबर्ट्सगंज आशुतोष जायसवाल, डीएफओ ओबरा दिलीप कुमार तिवारी, डीएफओ रेनुकूट कमल कुमार, एस0डी0ओ0 शत्रुधन तित्रपाठी, डी0सी0 मनरेगा रवीन्द्र वीर सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी नमिता शरण, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह सहित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

मिशन शक्ति 5.0 के तहत जनपद में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

सहायक नोडल क्षेत्राधिकारी द्वारा पिपरी सर्किल में कार्यशाला आयोजित

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सोनभद्र। जनपद स्तरीय मिशन शक्ति सहायक नोडल अधिकारी डॉ. चारु द्विवेदी (क्षेत्राधिकारी यातायात) के नेतृत्व में तथा क्षेत्राधिकारी पिपरी अमित कुमार की उपस्थिति में आज सर्किल पिपरी अंतर्गत थाना अनपरा, थाना शक्तिनगर एवं थाना पिपरी के मिशन शक्ति केंद्र प्रभारी, थाना प्रभारी निरीक्षक/थाना अध्यक्ष एवं मिशन शक्ति केंद्र की संपूर्ण टीम को मिशन शक्ति केंद्र की कार्यशैली, कार्यप्रणाली एवं संचालन से संबंधित प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण सत्र के दौरान सहायक नोडल अधिकारी द्वारा निम्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया गया–

1. महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा से संबंधित त्वरित पुलिस प्रतिक्रिया
2. मिशन शक्ति केंद्र पर आने वाली शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण
3. पीड़ितों से संवेदनशील व्यवहार एवं काउंसलिंग की प्रक्रिया
4. महिलाओं, छात्राओं एवं आमजन में सुरक्षा जागरूकता फैलाने के प्रभावी तरीके
5. साइबर अपराधों से बचाव एवं ऑनलाइन सुरक्षा उपाय
6. हेल्पलाइन नंबरों की उपयोगिता एवं उनकी व्यापक जानकारी प्रसारित करने की रणनीति
7. इसके अतिरिक्त, क्षेत्राधिकारी अमित कुमार द्वारा मिशन शक्ति टीमों को फील्ड पर आने वाली चुनौतियों, घटनाओं की प्रारंभिक सूचना संग्रह, पीड़ित सहायता तंत्र और प्रभावी समन्वय व्यवस्था के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

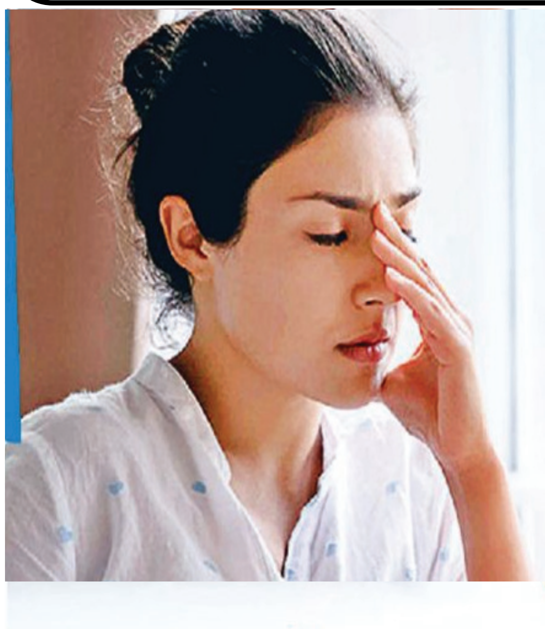

इस आधुनिक जीवनशैली में तनाव ही तनाव है। सर्वे बताते है, पुरुषों की तुलना में महिलाएं ज्यादा तनाव में रहती हैं। इसके पीछे है समाज की परंपरागत सोच, भले ही कहा जाए महिलाओं ने बहुत विकास किया है। देखा जाता है, समाज के दोहरे मानदंड महिलाओं में तनाव बढ़ाते हैं। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि इस समस्या का समाधान नहीं है।

तनाव को कहें अलविदा तय करें अपनी प्राथमिकताएं

कवर स्टोरी

अंशु सिंह

महिलाएं ज्यादा चिंतित रहती हैं। स्ट्रेस लेती हैं। इन्हें पुरुषों की तुलना में कहीं अधिक तनाव की शिकायत भी रहती है। ये शिकायतें लगातार बढ़ रही हैं। साल 2023 में तीन हजार से ज्यादा वयस्कों पर किए गए एक अध्ययन में महिलाओं ने अपने तनाव के स्तर को औसतन 10 में से 5.3 बताया, जबकि पुरुषों ने औसतन 10 में से 4.8 बताया। आखिर ऐसा क्यों? आइए, जानते-समझते हैं।

युवतियां सहती हैं सर्वाधिक तनाव

बहुत से लोग यह महसूस ही नहीं करते कि हर किसी के स्ट्रेस का अनुभव अलग होता है। जैसे, युवा महिलाएं सबसे अधिक तनाव का सामना करती हैं। ये बोझ अकसर उनके पालन-पोषण के दौरान पैदा होते हैं, जहां पुराने सामाजिक तौर-तरीके अभी भी इस बात को तय करते हैं कि एक महिला होने का क्या मतलब है। हाल के कुछ शोधों से पता चला है कि 35 साल से कम उम्र की महिलाओं का स्ट्रेस लेवल लगातार ज्यादा रहता है। ये महिलाएं खुद को सामाजिक उम्मीदों, जेंडर रोल्स और पर्सनल महत्वाकांक्षाओं के एक जटिल जाल में फंसा हुआ पाती हैं।

कहां से आता है स्ट्रेस

लाइफ कोच सुमन मनुजा बताती हैं, 'महिलाओं से अकसर यह उम्मीद की जाती है कि वे अपनी पारिवारिक जिम्मेदारियों, पार्टनर और दोस्तों का इमोशनल बोझ भी उठाएं। इससे उन्हें और ज्यादा स्ट्रेस होता है। परिवारों में महिलाओं की तारीफ भी अपेक्षाकृत कम होती है। इसमें अगर उनकी सैलरी, काम के अवसरों और कार्य स्थल पर भागीदारी में असमानताओं के साथ मिला दें, तो तनाव का स्तर इतना अधिक होगा कि उससे उनके मानसिक एवं भावनात्मक स्वास्थ्य पर गहरा असर हो सकता है। एक सर्वे में करीब 73% महिलाओं ने बताया कि वे लगातार अपने आस-पास के लोगों का स्ट्रेस लेती हैं। उन्हें यह एहसास नहीं होता कि ऐसा करने से वे कितनी ऊर्जा बर्बाद कर देती हैं, जो अंततः भावनात्मक थकावट और एंग्जायटी के रूप में सामने आता है।

दोहरे मानदंड बढ़ाता है तनाव

पेशे से वकील मालिनी रैनी कहती हैं, 'इसमें दो मत नहीं कि समाज ने बराबरी के मामले में बहुत तरक्की की है। लेकिन आज भी हमें ऐसी दुनिया का सामना करना पड़ता है, जो पारंपरिक उम्मीदों से बनी है। महिलाओं को आजाद रहने, अपने करियर और पढ़ाई पर ध्यान देने, सपनों को पूरा करने के लिए तो खूब प्रोत्साहित किया जाता है। वहीं, दूसरी तरफ उनसे यह भी उम्मीद की जाती है कि वे इमोशनली अवेलेबल रहें। सबकी देखभाल करें। इस प्रकार के दोहरे मानदंड से हमें संघर्ष करना पड़ता है। इतना ही नहीं, महिलाओं को अकसर अपने सपनों को पूरा करने की कोशिश करने के लिए गिल्ट और आलोचना का सामना करना पड़ता है। हालांकि, महिलाएं लैंगिक समानता को लेकर जागरूक हुई हैं। लेकिन बराबरी का मैदान अभी भी बहुत दूर है।' इस तरह, दोहरे दबाव से स्ट्रेस, निराशा, एंग्जायटी और डिप्रेशन जैसी मानसिक समस्याएं होने लगती हैं।

पुरुषों से अधिक तनाव में रहतीं महिलाएं

अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन के साल 2023 के स्ट्रेस इन अमेरिका सर्वे के अनुसार, महिलाओं में पुरुषों की तुलना में औसत स्ट्रेस लेवल ज्यादा पाया गया। क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट रोजालिंड एस. डॉर्लेन के अनुसार, 'पुरुष स्ट्रेस को अलग तरह से अनुभव करते हैं। वे स्ट्रेस से खुद को अलग कर लेते हैं, जबकि महिलाएं स्ट्रेस को अंदर ही अंदर महसूस करती हैं। इससे उनमें मानसिक और भावनात्मक विकारों की दर ज्यादा होती है।' सर्वे में 58% महिलाओं ने तनाव का मुख्य कारण परिवार की जिम्मेदारियों को ठहराया, जबकि पुरुषों में यह आंकड़ा 52% था। इसी प्रकार, 50% महिलाएं वित्तीय चिंताओं से परेशान थीं। पुरुषों में यह आंकड़ा 44% था। महिलाओं के तनाव की एक और प्रमुख वजह उनके अपने रिश्ते थे। 49% महिलाओं ने इस बात को स्वीकार किया। जबकि सिर्फ 44% पुरुष ऐसा मानते थे।

हर समस्या का है समाधान

महिलाओं की अपनी चुनौतियां हैं, लेकिन उनके पास अपने स्ट्रेस को मैनेज करने के तरीके भी हैं। जैसे-

तुलना करने से बचें: सोशल मीडिया पर बहुत कुछ देखने को मिलता है, जिससे खुद में कमी या अधूरापन महसूस हो सकता है। ऐसे में उसका इस्तेमाल कम करें। ऐसे अकाउंट्स को फॉलो न करके हेल्दी एंटरटेनमेंट ही करें।

इमोशनल सपोर्ट सिस्टम तैयार करें: आपका स्ट्रेस सिर्फ भावनात्मक तनाव से कहीं अधिक होता है। इस तनाव को स्ट्रेचिंग या एक्सरसाइज करके दूर कर सकती हैं।

सेल्फ-केयर करें: उन चीजों के लिए समय निकालें जो आपको पसंद हैं। ऐसी एक्टिविटीज ढूंढें, जो आपको भावनात्मक रूप से मजबूत बनाएं। चाहे वह अच्छी किताबें पढ़नी हो, जर्नलिंग करनी हो या मेडिटेशन करना हो या फिर बिना किसी गिल्ट के आराम करना हो। सेल्फ-केयर ऐशो-आराम नहीं है। यह आपकी भलाई के लिए जरूरी है।

अपनी जरूरतों को प्राथमिकता देना सीखें: ये सिर्फ आपको मालूम होता है कि आपकी प्राथमिकता क्या है। उस पर ध्यान दें। दूसरों के बारे में सोचने से बचें।

काउंसलिंग पर विचार करें: अगर कभी ज्यादा तनाव हो रहा हो, तो किसी काउंसलर या थेरेपिस्ट की मदद ले सकती हैं।

सपोर्ट ग्रुप जॉइन करें: ये इन पर्सन या ऑनलाइन ग्रुप हो सकते हैं, जहां आप दूसरों से अपने मन की बात शेयर कर सकती हैं, जो इसी तरह की दिक्कतों का सामना करते हैं। आप उन लोगों से जुड़ सकती हैं, जो आपको समझते हैं।

बुनाई भी...सुकून भी...

दादी, नानी और मां के हाथ से बुने ऊन वाले स्वेटर, स्कार्फ, मोजे, दस्ताने और टोपी भले अब आउट डेटेड कहे जाएं, लेकिन आज भी ये हमें उनके प्रेम-स्नेह में बांधते हैं। इतना ही नहीं, बुनाई हमें एक सुकून देती है, खुशियों से भरती है। यही नहीं, बुनाई हमारे स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी है।

जानें-समझें

सरस्वती रमेश

सर्दियां आ गई हैं। कंबल, रजाई और गर्म कपड़े बाहर निकल आए हैं। गुनगुनी धूप में बैठी दादी, नानी, मौसी या चाचियों के हाथ में सलाई में पड़े फंदे तेजी से बुने जा रहे हैं। कुछ ही समय में वो रंग-बिरंगे स्वेटर, स्कार्फ, मोजे, दस्ताने तैयार कर अपने पोते-पोतियों को पहना देंगी। आप सोचेंगी पुराने समय की महिलाओं को बुनाई कला का शौक होता है। पर क्या आप जानती हैं, बुनाई सिर्फ शौक नहीं होता है, यह थेरेपी का भी काम करता है।

एक थेरेपी है बुनाई: हालिया एक अध्ययन से पता चला है कि मानसिक बीमारियों से पीड़ित लोगों के लिए बुनाई किसी थेरेपी से कम नहीं है। रिसर्च से मिले नतीजों में तीन बातें सामने आई हैं। पहला, बुनाई से तनाव कम होता है। दूसरा, बुनाई से आपकी एक सामाजिक पहचान बनती है, यदि आप इसे पेशे के तौर पर अपनाती हैं। तीसरा, बुनाई करने से हमारा दिमाग शांत और व्यवस्थित होता है। इस तरह जीवन और स्वास्थ्य बेहतर होता है। इसके अलावा गंभीर न्यूरोलॉजिकल बीमारियां जैसे डिमेंशिया, अल्जाइमर आदि का खतरा कम होता है। कुछ शोध तो यहां तक बताते हैं कि बुनाई करने से क्रॉनिक पेन (दर्द) से भी राहत मिल सकती है।

बुन कर अच्छा लगता है: रिसर्च में शामिल लोगों ने महसूस किया कि हाथ से बुने हुए गर्म कपड़ों की हर कोई सराहना करता है। यह सराहना उन्हें खुशी देती है, जिससे उन्हें थोड़े समय के लिए अच्छा महसूस होता है। कुछ लोगों ने अपनी मानसिक प्रक्रियाओं में भी बदलाव महसूस किया। उन्होंने बताया कि बुनाई उनके मन में चल रही उलझनों को सुलझाता है। जैसे-जैसे उनके हाथ फंदों को आकार देते हैं, उनके दिमाग में भरी बातों को भी सही दिशा में जाने का रास्ता मिलता है।

शरीर और मस्तिष्क होते हैं स्वस्थ: ऊन सलाई की मदद से हाथ से बुनाई को भले ही हमारे देश में आउट डेटेड और टाइम टेकिंग कहकर खारिज किया जा रहा है, लेकिन विदेशों में इसके फायदों को देखते हुए फिर से बढ़ावा दिया जा रहा है। ब्रिटेन में तो 'निट फॉर पीस' (सुकून के लिए बुनाई) 15,000 से ज्यादा बुनाई करने वालों का एक बड़ा नेटवर्क है। यह जरूरतमंद लोगों के लिए कपड़े बुनकर उन तक पहुंचाने का काम करता है। इस संगठन में काम करने वाले लोगों के बात, व्यवहार से इस बात के पर्याप्त सुबूत मिले हैं कि बुनाई करने से शरीर और मस्तिष्क दोनों स्वस्थ रहते हैं। इसी तरह 'ब्रिटिश जर्नल ऑफ ऑक्यूपेशनल थेरेपी' के अनुसार बुनाई को अपनी आदत में शामिल करने के बाद अधिकतर लोगों ने महसूस किया कि वे पहले से कहीं ज्यादा खुश महसूस करने लगे हैं।

बढ़ती है एकाग्रता: बुनाई करने से आपके मस्तिष्क को वही फायदे मिलते हैं, जो ध्यान करने से मिलते हैं। बुनाई के समय अपने मस्तिष्क के अवचेतन को सलाई पर केंद्रित करना पड़ता है। ऐसा करने से तनाव पैदा करने वाली बातें हम भूल जाते हैं। वैज्ञानिक मानते हैं कि बुनाई के दौरान मस्तिष्क के एक बड़े हिस्से का इस्तेमाल होता है, जिसके कारण इन हिस्सों में ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है और तंत्रिकाओं के बीच संपर्क तेज होता है। सरल भाषा में कहें, तो बुनाई के समय दिमाग के एक बड़े हिस्से का इस्तेमाल होता है, इसलिए दिमाग स्वस्थ और एक्टिव बना रहता है।

यहां बताए गए इन फायदों के अलावा हाथ से बुने हुए स्वेटर में अपनों के प्रेम और स्पर्श का अहसास होता है। आप दूर हों या पास उनके करीब होने का अहसास हमेशा बना रहता है। तो इन सर्दियों में जब भी आपको मौका मिले, एक स्वेटर या स्कार्फ आप भी बुन डालें।

इंटीरियर

मधु सिंह

जरूरी नहीं कि घर को डेकोरेट करने के लिए बड़े परिवर्तन किए जाएं या बहुत पैसे खर्च किए जाएं। आप क्रिएटिव आइडियाज से थोड़े से खर्च में भी अपने घर का मेकओवर बिल्कुल डिफरेंट स्टाइल में कर सकती हैं। ऐसा कैसे संभव है, यहां बता रहे हैं डिटेल में।

क्रिएटिव आइडियाज से घर का करें मेकओवर

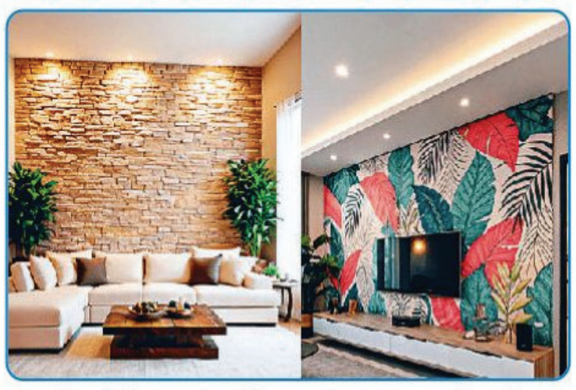

आप नए घर में प्रवेश कर रही हों या वर्तमान में आप जिस घर में रह रही हैं, उसे नए सिरे से डेकोरेट करने के बारे में सोच रही हैं। घर के कमरों के इंटीरियर में बदलाव लाकर मेकओवर करना चाह रही हैं या इसके लिए नए सिरे से प्लान कर रही हैं। जब कभी ऐसा होता है तो अमूमन आप अपने इर्द-गिर्द लोगों के घरों या रिलेटिव्स के घरों के अनुसार या इंटीरियर डिजाइनर की सलाह से बहुत कुछ नया एड करने के लिए सोचती हैं। अगर आप चाहती हैं कि आपके घर का इंटीरियर डेकोरेशन, दूसरों से बिल्कुल अलग दिखे और इस मेकओवर में आपके घर का बजट भी न बिगड़े तो आइए घर को अपग्रेड करने के लिए आपको कुछ आइडियाज देते हैं।

जब सजाना हो दीवारों को: घर की दीवारों को नया लुक देने और उनका रूप निखारने के लिए तो वॉल पेंटिंग के लिए पेस्टल शेड्स चुनें या व्हाइट कलर। दीवारों से कंट्रास्ट वाला फर्नीचर या दीवारों के शेड्स से थोड़ा गहरे शेड वाले फर्नीचर का चयन करें। ज्यादा से ज्यादा नेचुरल कलर्स को प्राथमिकता दें। दीवारों में अलग-अलग साज-सज्जा के लिए एक अब्स्ट्रैक्ट पेंटिंग, आपके इंटीरियर को आर्टिस्टिक टच देती है।

बात जब फर्श की हो: आमतौर पर डेकोरेशन में घर की फर्श पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया जाता है। जबकि फर्श के कलरफुल एलिमेंट्स, घर में पॉजिटिव वाइब्स फैलाते हैं। घर के अलग-अलग हिस्सों में कारपेट, घर के लुक को बदल देते हैं। इससे घर बड़ा लगता है और ज्यादा खुला और कलरफुल दिखता है। अलग-अलग रंगों के ये कारपेट घर की साज-सज्जा को दूसरों से अलग दिखाते हैं। रीडिंग कॉर्नर में बिछा छोटा कारपेट या लिविंग रूम में एक सेंटर पीस और घर के प्रवेश द्वार पर एक आकर्षक रंगों वाला रनर कमरों को गहराई देता है। एक अच्छा कारपेट देखने वाले को तो अच्छा लगता ही है, घर के लुक को पूर्णता भी प्रदान करता है।

घर में बिखेरें नेचर फीलिंग्स: आपके नए घर में किसी भी आकर्षक स्थान पर रखी गई प्राकृतिक सामग्री, घर में खूबसूरती के साथ नेचर फीलिंग भी बिखेरती है। सेंटर टेबल, लिविंग स्पेस को नया लुक देती है। वूडेन से बनी नक्काशी वाला फर्नीचर दसियों साल तक पुराना नहीं होता। अगर आपके घर में पुराने जमाने का फर्नीचर है तो उसे आप रंग रोगन करवा कर नए कलेवर में सजा सकती हैं। घर के कोनों में या एंट्रेंस में जूट रस्सियों से बंधे मटकों में लगे पौधे, मेटल की कलाकृतियां, प्राकृतिक पत्थर, लकड़ी से बनी कैंडल स्टैंड, कलाकृतियां, संगमरमर प्राकृतिक पत्थरों से बने शो पीस, सादगी के साथ-साथ हमारी पसंद को भी दर्शाते हैं। इनकी सजावट से घर को अलग तरह का सुकून भी मिलता है।

ये एसेसरीज भी करें यूज: घर में सजावट के लिए बड़े आकार के विंटेज मिरर, कलात्मक टेबल लैंप्स, कमरे की शोभा बढ़ाते हैं। पढ़ने के कमरे या होम ऑफिस में सजी बुक शेल्फ को आकर्षक बनाने के लिए उन पर सुंदर कलाकृतियां रखें। तांबे की टेबल स्टैंड या मेटल के फूलदान जैसी एसेसरीज को भी घर के मेकओवर में इस्तेमाल कर सकते हैं। मेकओवर के लिए घर में कुशन और पर्दे भी बदले जा सकते हैं।

स्किन केयर

विधि

यूज करें बादाम का तेल स्किन बनेगी सॉफ्ट-ग्लोइंग

बादाम के तेल का इस्तेमाल करने से स्किन से जुड़ी कई समस्याएं दूर होती हैं और चेहरा खूबसूरत, निखरा हुआ नजर आता है।

कई गुणों से भरपूर: बादाम का तेल कई स्वास्थ्यवर्धक गुणों से भरपूर होता है और उसके सभी गुण सेहत के साथ-साथ त्वचा के लिए भी फायदेमंद होते हैं। बादाम के तेल में विटामिन-ई, प्रोटीन, मैग्नीशियम और एंटीऑक्सीडेंट्स प्रचुर मात्रा में होते हैं जो स्किन केयर के लिए लाभकारी होते हैं।

ऐसे करें इस्तेमाल: सर्दी के मौसम में त्वचा की देखभाल बेहद जरूरी होती है। ठंड और हवा से त्वचा बेजान और रूखी होने लगती है, जिससे चेहरे पर रिंकल्स, दाग-धब्बे समेत कई तरह की समस्याएं नजर आने लगती हैं। इस सीजन में स्किन केयर के लिए बादाम के तेल का इस्तेमाल एक नेचुरल और असरदार उपाय है, जो न केवल त्वचा को गहराई से पोषण देता है, बल्कि इसे निखार कर बेदाग भी बनाता है।

डार्क सर्कल्स के लिए: आंखों के आस-पास बादाम का तेल लगाएं और हल्के हाथों से मसाज करें। इससे डार्क सर्कल्स हल्के होते हैं और चेहरे पर ग्लो आता है।

लिप्स के लिए: सर्दियों में फटे होंठों को ठीक करने के लिए भी बादाम के तेल का इस्तेमाल किया जा सकता है। बादाम के तेल की कुछ बूंदें होंठों पर लगाने से होंठ मुलायम और हाइड्रेटेड रहते हैं।

स्क्रब करें: बादाम के तेल में चीनी मिलाकर एक नेचुरल स्क्रब तैयार कर सकती हैं। स्क्रब को हल्के हाथों से त्वचा पर लगाएं और मसाज करें। यह डेड स्किन हटाता है और त्वचा को इंस्टेंट ग्लोइंग बनाता है।

मॉयश्चराइजर: बादाम के तेल का इस्तेमाल मॉयश्चराइजर के रूप में कर सकती हैं। बादाम के तेल में भरपूर मात्रा में विटामिन-ई होता है, जो स्किन को नमी प्रदान करता है।

फेस मसाज: रात को सोने से पहले चेहरे को धोने के बाद बादाम के तेल की दो-तीन बूंदें लेकर हल्के हाथों से चेहरे की मसाज करें। इससे स्किन में ब्लड सर्कुलेशन बढ़ेगा और चेहरा निखरा दिखेगा।

फेस मास्क: एक कटोरी में बादाम के तेल की तीन-चार बूंदों में एक चम्मच बेसन, एक चुटकी हल्दी और आधा छोटा चम्मच शहद डालें। इस पेस्ट को अपने चेहरे पर लगाएं। 15-20 मिनट बाद चेहरे को पानी से धो लें। इससे आपकी स्किन को नमी मिलेगी और चेहरे के दाग-धब्बे भी दूर होंगे।

(ब्यूटी एक्सपर्ट रेनू माहेश्वरी से बातचीत पर आधारित)

मेडिकल एडवाइस

डॉ. अनुराग अवस्थी
ऑर्थोपेडिक्स-सीनियर कंसल्टेंट
ऑर्टिमिस हॉस्पिटल, गुरुग्राम

सर्दी के मौसम में अधिकतर मिड और ओल्ड एज महिलाएं, जोड़ों के दर्द की समस्या से परेशान रहती हैं। इससे राहत पाने के लिए यहां बताई जा रही बातों का ध्यान रखना होगा। जानें ज्वाइंट पेन के कारण और बचाव के उपायों के बारे में।

सर्दी के मौसम में जोड़ों का दर्द ऐसे मिलेगी आपको राहत

बढ़ती उम्र में अधिकतर महिलाओं को ज्वाइंट पेन यानी जोड़ों के दर्द का सामना करना पड़ता है। ऐसा ऑस्टियोपोरोसिस या ऑस्टियोआर्थराइटिस के कारण होता है। ऑस्टियोपोरोसिस की अवस्था में हड्डियां भीतर से कमजोर होने लगती हैं, जबकि ऑस्टियोआर्थराइटिस में जोड़ों के बीच मौजूद कार्टिलेज को धीरे-धीरे नुकसान पहुंचाता है।

सर्दी में बढ़ती है समस्या

सर्दी के मौसम में मांसपेशियां सिकुड़ने लगती हैं, जिससे जोड़ों पर अधिक दबाव पड़ता है और यह समस्या और अधिक बढ़ जाती है। इसके अलावा, ठंड के मौसम में स्मॉग के कारण कई बार शरीर को पर्याप्त धूप नहीं मिल पाती। ऐसे में विटामिन-डी की भी कमी हो जाती है, जो जोड़ों के दर्द को बढ़ा सकती है। सर्दियों में जोड़ों को सपोर्ट देने वाला सिनोवियल फ्लूइड गाढ़ा हो जाता है, जिससे दर्द और अकड़न की शिकायत बढ़ सकती है। ठंड के मौसम में वायुमंडलीय दबाव कम होने से जोड़ों के आस-पास के टिशूज में सूजन भी बढ़ सकती है।

इन बातों का रखें ध्यान

- रोजाना सुबह 9 से 11 बजे के बीच कम से कम आधे घंटे धूप में बैठें। इस दौरान हाथ-पैर, कंधे और पीठ का कुछ हिस्सा खुला हो, ताकि शरीर में पर्याप्त विटामिन-डी का निर्माण हो सके।
- अगर आप घर पर रहती हैं, तो कुछ घरेलू कार्य बालकनी या खिड़की के पास बैठकर करें, ताकि आपको सनलाइट मिलती रहे।
- नियमित रूप से किसी प्रशिक्षित विशेषज्ञ की निगरानी में योगाभ्यास करें। आधे घंटे की वॉकिंग भी लाभकारी होती है।
- इस मौसम में इंडियन के बजाय वेस्टर्न टॉयलेट का इस्तेमाल करें।
- सोते समय पैरों के नीचे एक तकिया रखें, ताकि कमर, घुटनों पर दबाव कम हो।
- पर्याप्त गर्म कपड़े पहनें और घुटनों की सुरक्षा के लिए नी-कैप का उपयोग करें।
- कैल्शियम के लिए डाइट में दूध और अन्य डेयरी प्रोडक्ट्स को शामिल करें।
- नॉन-वेज खाने वालों के लिए अंडा, मछली और चिकन फायदेमंद हैं, विशेष रूप से चिकन सूप, हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है।
- तिल, रागी, चौलाई के साग और बीज, जोड़ों तथा मांसपेशियों के लिए पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं।
- अखरोट, अलसी के बीज, चिया सीड्स और सरसों का तेल ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर होते हैं, जो सूजन और दर्द को कम करने में सहायक हैं। इसलिए इनका सेवन जाड़ों में जरूर करें।
- एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर सब्जियां जैसे-अदरक, लहसुन, चुकंदर, ब्रोकली और पालक को अपनी डेली डाइट में शामिल करें। रात को सोने से पहले हल्दी वाला दूध पीना लाभकारी है।
- मैदे से बनी चीजों और जंक फूड से दूरी बनाए रखें।
- नमक, चीनी का सेवन कम मात्रा में करें।

अगर इन उपायों के बाद भी जोड़ों में दर्द बना रहता है, तो डॉक्टर से सलाह अवश्य लें। आमतौर पर विटामिन-डी तथा कैल्शियम सप्लीमेंट्स लेने से राहत मिल सकती है, लेकिन किसी भी दवा का सेवन डॉक्टर की सलाह के बिना न करें। इन बातों का ध्यान रखकर आप सर्दियों में भी स्वस्थ और सक्रिय रह सकती हैं।

प्रस्तुतिः विनीता

ओडगी के सरपंच संघ ने जनपद सीईओ के खिलाफ खोला मोर्चा

लगाए कई गम्भीर आरोप, कलेक्टर से शिकायत, जांच की मांग

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के विकासखण्ड ओडगी के सरपंच संघ ने जनपद सीईओ के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।संघ ने सीईओ पर मनमानी का आरोप लगाते हुए इसकी शिकायत कलेक्टर से की है।सरपंच संघ ने कलेक्टर को दिए शिकायत में कहा है कि मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा पंचायतों को बिना किसी प्रस्ताव, अनुमोदन या सरपंचों की सहमति के मनमाने तरीके से फरमान जारी किए जा रहे हैं, जिससे पंचायतों के नियमित कार्य प्रभावित हो रहे हैं।सीईओ द्वारा प्रत्येक ग्राम पंचायत से रू. 5800 की राशि सचिवों के माध्यम से अनिवार्य रूप से जमा कराने का दबाव बनाया

जा रहा है।जबकि -पंचायतों में सरपंच ही ग्राम सरकार का प्रमुख होता है, किसी भी प्रकार की सहयोग राशि या व्यय की मांग सरपंचों की सहमति, प्रस्ताव एवं ग्रामसभा की जानकारी में ही होनी चाहिए। यह प्रक्रिया पंचायत राज अधिनियम की मूल आत्मा के विपरीत है।ज्ञापन में कहा गया है कि जनपद स्तर पर स्वीकृत होने वाले कार्यों के लिए 5त्न से 10त्न तक कमीशन की मांग बार-बार की जा रही है,जिससे पंचायतों के विकास कार्य रुक रहे हैं,शासन की योजनाएँ जमीन पर लागू नहीं हो पा रही हैं। पंचायतों को पहले ही पर्याप्त बजट उपलब्ध नहीं हो पा रहा है जहाँ एक ओर ग्राम पंचायत में कार्य शुरू नहीं हो पा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर अतिरिक्त वसूली और दबाव से काम बिल्कुल ठप पड़ गया है। यह सीधे-सीधे पंचायत राज प्रणाली को कमजोर करने का प्रयास प्रतीत होता है।संघ ने जनपद सीईओ द्वारा कमीशन मांग की गतिविधियों पर रोक लगाने के साथ शिकायतों की उच्च-स्तरीय निष्पक्ष जांच कराए जाने की मांग की है।

आरोप बेबुनियाद....

सरपंच संघ द्वारा मुझ पर लगाये गए आरोप निराधार है। मेरे द्वारा किसी भी सरपंच से कोई राशि की मांग नहीं की गई है। कार्य स्वीकृति के एवज में भी मुझ पर कमीशन मांगने का जो आरोप लगाया गया है वह भी सरासर झूठा है। क्योकि जनपद स्तर से कोई कार्य स्वीकृत नहीं होते है। संघ द्वारा यह आरोप क्यो लगाया गया है यह समझ से परे है।

निलेश सोनी
सीईओ ,जपं ओड़गी

आरक्षक के मजबूत इनफॉमेशन सूचना पर पकड़े गए 7 स्थाई वारंटी

एसएसपी ने आरक्षक को दिया नगद ईनाम

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के रामानुजनगर थाना में पदस्थ आरक्षक अमलेश्वर कुमार के मजबूत इनफॉमेशन नेटवर्किंग के कारण वर्षो से फरार 7 स्थाई वारंटी को धरदबोचा गया है। स्थाई वारंटी को पकड़वाने में उत्कृष्ट कार्य करने पर एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर ने पुरुष्कार स्वरूप आरक्षक को 5 सौ रूपये की नगद राशि से पुरस्कृत किया है।अपराधों की रोकथाम के लिए एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर ने पूर्व में थाना-चौकी प्रभारियों की बैठक में कड़े शब्दों में निर्देशित किया कि स्थाई वारंट तामीली में लापरवाही नहीं होनी चाहिए, वारंटी वर्तमान में कहां उसकी जानकारी निकाले, अब तक स्थाई वारंट की तामीली क्यों नहीं की गई उसकी अद्यतन स्थिति से बारे में विस्तृत जानकारी ली थी और उन्हें कड़े

शब्दों में कहा था की तामीली में लापरवाही बरतने वालों पर सख्ती ओर उत्कृष्ट कार्य पर पुरस्कृत करेंगे। स्थाई वारंट तामीली हेतु थाना-चौकी प्रभारी स्वयं भी जाएं। पुलिस अधिकारी व जवानों को तामीली के लिए भेजने से पहले उन्हें ब्रीफ करें और उन्हें हिदायत दें कि अपने पूर्ण अनुभव का इस्तेमाल करते हुए वारंट को तामील करें। इसी क्रम में थाना रामानुजनगर में पदस्थ आरक्षक अमलेश्वर कुमार के इनफॉमेशन नेटवर्किंग के माध्यम से स्थाई वांरटी की महत्वपूर्ण सूचना थाना प्रभारी को बताया गया जो उक्त सूचना की तस्दीक कर वर्षो से फरार चल रहे एक्सीडेंट, एमव्ही एक्ट, मारपीट, गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी की धाराओं में फरार स्थाई वारंटी उर्मिला, बबीता, देवन्ती, श्रीमती उर्फ श्रीबती, मुरलीधर, फुलेश्वर व 1 अन्य को दबिश देकर पकड़ा गया। पकड़े गए वारंटियों को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है।

कांग्रेस की नवनियुक्त जिलाध्यक्ष का बैठक में हुआ स्वागत

0 जिला कांग्रेस की हुई पहली औपचारिक बैठक 0 वोट चोर गद्दी छोड़ की महारैली में दिल्ली कूच करेंगे जिले के कांग्रेसी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिला कांग्रेस कमेटी की नवनियुक्त जिलाध्यक्ष शशि सिंह की अध्यक्षता में वोट चोर गद्दी छोड़ की दिल्ली महारैली में जिले से सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता दिल्ली कूच करेंगे। 14 दिसम्बर को राष्ट्रव्यापी आह्वान में दिल्ली के रामलीला मैदान में कांग्रेस का बड़ा प्रदर्शन हैं, जिसमें पीसीसी के निर्देश पर जिले के निर्वाचित जनप्रतिनिधि, पूर्व जनप्रतिनिधि, पार्टी संगठन के पदाधिकारी व कार्यकर्ता दिल्ली जाएंगे। कांग्रेस संगठन सृजन अभियान के उपरांत नए जिलाध्यक्ष के रूप में शशि सिंह का बैठक में कार्यकर्ताओं ने आतिशी स्वागत किया और दिल्ली महारैली तथा एसआईआर को लेकर विस्तृत चर्चाएं कर कार्ययोजना तय की गई। साथ ही आगामी कार्यकर्ता सम्मेलन को लेकर रूपरेखा बनाई गई। स्थानीय सर्किट हाउस में आयोजित बैठक में जिलाध्यक्ष शशि सिंह सहित कांग्रेस नेता इस्माईल खान, संजय डोसी, मेहंदी यादव, अनिल गुप्ता, विमलेशदत्त तिवारी, आनंद कुंवर, विमला सिंह, हेमलता राजवाड़े ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। बैठक का संचालन सुनील अग्रवाल व आभार प्रदर्शन परमेश्वर राजवाड़े ने किया। इस दौरान धान उपार्जन केन्द्रों में किसानों को आ रही दिक्कतों और

शिकायतों के मद्देनजर जल्द ही कांग्रेस के द्वारा जिले के सभी 54 धान उपार्जन केन्द्रों में निगरानी समिति का गठन कर हल्ला बोल कार्यक्रम तय किया गया। वहीं जिले की बैठक में बड़ी संख्या में उपस्थित सदस्यों में प्रवेश गोयल, अभिषेक श्रीवास्तव, पुनीत गुप्ता, संजीव श्रीवास्तव, आनंद चौधरी, पारसनाथ राजवाड़े, वेद प्रकाश मिश्रा, आलोक साहू, अखिलेश जायसवाल, सुरेश केराम, तुलसी सिंह, कमला यादव, सिंगारो बाई, राधेकृष्ण प्रजापति, दुर्गा टेकाम, मदनेश्वर साहू, तपन सिकदार, बिहारी कुलदीप, विक्की समद्दार, पवन साहू, गिरधारी साहू, शांतू डोसी, सुनील प्रजापति, कृष्ण बिहारी साहू, सुनील सारथी, बाबूलाल राजवाड़े, हुलास राजवाड़े, दीपन मानिकपुरी, परमेश्वर सिंह, विजय साहू, सोपाड़ी लाल राजवाड़े, चन्द्रभान सिंह, राजू गुप्ता, शांतनु सिंह, गोपाल यादव, आशीष सिंह, राजकुमार देवांगन, खेलन सिंह, बालेन्द्र सिंह, सुरेन्द्र राजवाड़े, विनय पावले, अदनान सिद्दीकी, कौनेन अंसारी, मोहिबुल हसन, अजय सोनवानी, संदीप शर्मा, रामलखन सिंह सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस के पदाधिकारी व अनुशांगिक संगठनों के लोग उपस्थित रहे। इस दौरान कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी का जन्मदिन मनाते हुए कांग्रेसियों ने केक काटा। वहीं कांग्रेस नेता इस्माईल खान के बड़े भाई इसराईल खान के निधन पर शोक संवेदना प्रगट की।

राजीव भवन का किया निरीक्षण, कहा जल्द करेंगे काम शुरू

जिलाध्यक्ष शशि सिंह ने कांग्रेस की टीम के साथ निर्माणाधीन राजीव भवन का भी निरीक्षण किया और बताया कि भवन निर्माण को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल व कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज से सकारात्मक चर्चाएं हुई हैं। जल्द ही राजीव भवन के कार्य को पूरा करेंगे। स्थानीय पार्टी कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों व जनप्रतिनिधियों से भी सहयोग लेकर राजीव भवन का लंबित जल्द ही प्रारंभ होगा।

जिले में 31 दिसंबर तक सघन कुष्ठ खोज अभियान, 910 टीमें कर रही घर-घर सर्वे

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कलेक्टर एस. जयवर्धन के निर्देशन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. के.डी. पैकरा के मार्गदर्शन में जिले के समस्त विकासखंडो में 7 से 31 दिसंबर तक सघन कुष्ठ खोज अभियान चलाया जा रहा है। उक्त अभियान हेतु जिले के कुष्ठ नोडल अधिकारी डॉ. राजेश पैकरा ने अभियान के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में मितानिनों एवं ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजको द्वारा घर-घर भ्रमण कर कुष्ठ के संभावित मरीजों की पहचान कर उनकी सूची तैयार किया जा रहा है। इस संभावित मरीजों की जांच एवं पुष्टि कर धनात्मक मरीजों का ईलाज किया जायेगा। कुष्ठ के प्रसार को रोकने के लिए आवश्यक है कि प्रारंभिक अवस्था में ही रोगी की पहचान हो जाने से उसका पूर्ण उपचार कर होने वाले विकृति से बचाया जा सके। अभियान के सफल संचालन हेतु जिले मे 910 दलों की ड्यूटी लगाई गई है, जो घर-घर में जाकर सर्वे का कार्य कर रही है। इन दलों के द्वारा त्वचा में कोई भी दाग या धब्बा, जिसमें सुन्नपन हो दाग का रंग तेलिया तामिया चमक हो, त्वचा में गठाने एवं मोटापन हो, आंख के पलकों का सामान्य रूप से बंद न हो, हाथों एवं पैरो के तलवों मे सुन्नपन हो, जिसमे गर्म एवं ठण्ड का एहसास न हो, इनमें से कोई भी लक्षण या चिन्ह हो तो तुरंत स्थानीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता एवं मितानिन के पास जाकर अवश्य जांच करानी चाहिए। कुष्ठ के उपचार की सुविधा सभी स्वास्थ्य केंद्रो में नि:शुल्क उपलब्ध है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ के डी पैकरा ने आम जनता से अपील की है कि जिले को कुष्ठ मुक्त बनाने हेतु किसी भी प्रकार कुष्ठ की शंका होने पर स्वास्थ्य टीम से जांच कराकर आवश्यक सहयोग प्रदान करें तथा किसी भी प्रकार के शंका होने पर स्वास्थ्य टीम से जांच अवश्य करायें।

कार्यालय उमनि एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, जिला सूरजपुर (छ0ग0)
दूरभाष 07775-266265, फेक्स 266579 ई. मेल spoffice.surajpur-cg@gov.in

क्रमांक उमनि/व.पु.अ./सूरज/र.नि./1883/2025 सुरजपुर दिनांक 06/12/2025

छ.ग. शासन के राज्यपाल की ओर से लोक निर्माण विभाग में उपयुक्त श्रेणी के पंजीकृत ठेकेदार में प्रपत्र 'अ' में प्रतिशत: पर छत्तीसगढ़ शासन, लोक निर्माण विभाग रायपुर द्वारा भवन निर्माण कार्य हेतु जारी एसओआर दिनांक 01.01.20215 के आधार पर इकाई अन्तर्गत निर्माण कार्यों के लिये दर्शित तिथि अनुसार अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में पजीकृत स्पीड पोस्ट के माध्यम से मुहरबंद निविदा आमंत्रित की जाती है।

निविदा आमंत्रण हेतु सूचना

(1.) निविदा प्रपत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि -15 दिसम्बर 2025 सायंकाल 05.30 बजे तक।
(2.) निविदा प्रपत्र कार्यालय में जमा करने की अंतिम तिथि - 19 दिसम्बर 2025 दोपहर 03.00 बजे तक।
(3.) निविदा खुलने की तिथि - 22 दिसम्बर 2025 प्रात: 11.00 बजे।

क्रं.	कार्य का नाम	कार्य की लागत	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
01	थाना सूरजपुर में मालखाना भवन का निर्माण कार्य।	06.00 लाख रूपये	5000/-	750.00	06 माह वर्षाऋतु

नियम व शर्तें :-
01. निविदा प्रपत्र का शुल्क भारतीय स्टेट बैंक की शाखा में चालान कर (हेड-0055 पुलिस, 800 अन्य प्राप्तिया) चालान की मूल प्रति आवेदन एवं अन्य आवश्यक दस्तावेजों के साथ इस कार्यालय में जमा करने के पश्चात् ही निविदा प्रपत्र प्रदान किया जावेगा।
02. निविदा से संबंधित आवश्यक नियम व शर्तें तथा अन्य विस्तृत जानकारियां कार्यालयीन अवधि में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।
03 उमनि एवं वरि. पुलिस अधीक्षक सूरजपुर को अंतिम अधिकार होगा कि वे बिना कारण बताये निविदा निरस्त कर सकते हैं एवं निविदा की तिथि में संशोधन कर सकते हैं या पुन: निविदा आमंत्रित कर सकते हैं।

उमनि एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक
सूरजपुर

जी-252605313/1

कार्यालय अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग (भ/स) अम्बिकापुर मण्डल अम्बिकापुर
निविदा आमंत्रण तिथि- 05.12.2025
ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

01. निविदा की विस्तृत जानकारी के लिये Log in करें http://eproc.cgstate.gov.in
02. संबंधित संभाग-स. क्र. 1, 2 पत्थलगांव, स.क्र. 3 अम्बिकापुर, स.क्र. 4 जशपुर एवं स.क्र. 5 रामानुजगंज संभाग
03. स.क्र. -1 से 5 'द' वर्ग एवं ऊपर ठेकेदार
04. ऑनलाईन निविदा डालने की अंतिम तिथि 29.12.2025

सरल क्र.	एन.आई.टी. क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)
1	2	3	4
1	216	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग क्रं. 1 पत्थलगांव अंतर्गत बजट मद में स्वीकृत विभिन्न राज्य मार्ग, मुख्य जिला मार्ग एवं ग्रामीण मार्गो में रोड फर्नीचर का कार्य। (प्रथम आमंत्रण)	68.34
2	217	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग क्रं. 2 पत्थलगांव अंतर्गत बजट मद में स्वीकृत विभिन्न ग्रामीण मार्गो में रोड फर्नीचर का कार्य। (प्रथम आमंत्रण)	60.86
3	218	जिला सरगुजा के प्रतापगढ़ गेरसा केरजू मार्ग लंबाई 39.40 कि.मी. (वास्तविक लंबाई 32.00 कि.मी.) पुल पुलिया सहित में आर एस का कार्य। (प्रथम आमंत्रण)	71.39
4	219	सी.आर.एफ. के अंतर्गत बतौली से बगीचा मार्ग कि.मी. 5 से 6. चराईडांड से बगीचा मार्ग कि.मी. 22 से 29/4, कि.मी. 30 से 31/6, 41 से 43, कि.मी. 45, कि.मी. 52 से 53 एवं कुनकुरी-तपकरा-लवाकेरा मार्ग कि.मी. 22 से 24/6 एवं कि.मी. 43 से 44/4 = 21.00 कि.मी. में रोड फर्नीचर एवं रोड मार्किंग का कार्य। (प्रथम आमंत्रण)	97.58
5	220	लोक निर्माण विभाग संभाग रामानुजगंज अंतर्गत निम्नलिखित मार्गो में आर एफ का कार्य। (1) रामानुजगंज रिंगरोड लंबाई 6.60 कि.मी. (2) कामेश्वरनगर रामचंद्रपुर लुरगी मार्ग लंबाई 34 से 43 = 10.00 कि.मी. (3) लरंगसाय चौक से रिंग रोड पावर हाउस से जयस्तंभ चौक, भारतमाता चौक से रेस्ट हाउस एवं जयस्तंभ चौक लंबाई 5.825 कि.मी. (4) महाराजगंज से पचावल रोड जिला बलरामपुर रामानुजगंज (प्रथम आमंत्रण)	81.57

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग
अम्बिकापुर मण्डल अम्बिकापुर

जी-252605330/2

डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल में हुआ राष्टीय मानवाधिकार दिवस का आयोजन

न्यायाधीश ने दी बच्चो को स्वतंत्रता का अधिकार और राष्ट के प्रति मौलिक कर्तब्यों की विस्तृत जानकारी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। बुधवार को राष्टीय मानवाधिकार दिवस ज्ञान और न्याय के समन्वय के रूप में मनाते हुए, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा मुख्य मंत्री डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल तिलसिवों में एक अत्यंत महत्वपूर्ण और व्यापक विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मूल उद्देश्य युवा पीढ़ी को उनके संवैधानिक अधिकारों के प्रति संवेदनशील बनाना तथा न्याय तक उनकी पहुंच सुनिश्चित करने के लिए नि:शुल्क कानूनी सहायता की जानकारी देना था। कार्यक्रम अध्यक्ष, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, श्रीमती विनीता वार्नर के मार्गदर्शन सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव पायल टोपनो ने विद्यार्थियों के समक्ष जटिल कानूनी प्रावधानों को अत्यंत सरल और रोचक ढंग से प्रस्तुत किया। न्यायाधीश टोपनो ने अपने संबोधन मानवाधिकार दिवस मनाने के उद्देश्य को बताते हुए कहा की लोग अपने अधिकारों की ज्यादा बात करते है, किन्तु हमें अपने अधिकारों के साथ साथ मूल कर्तब्यों को भी जानना आवश्यक है। न्यायाधीश टोपनो

ने विद्यार्थियों को उनके कानूनी ढाँचे के महत्वपूर्णप स्तंभों से परिचित कराया उन्हे भारतीय संविधान द्वारा प्रदत्त मौलिक अधिकारों जैसे समानता का अधिकार, स्वतंत्रता का अधिकार और राष्ट के प्रति उनके मौलिक कर्तब्यों की विस्तृत जानकारी दी। आगे उन्होने डिजिटल युग की चुनौतियों को रेखांकित करते हए सूचना एवं प्रद्यौगिकी आई.टी. अधिनियम के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होने सोशल मीडिया फेसबुक, इंस्टाग्राम आदि का उपयोग करते समय अत्यधिक सावधानी बरतने जोर दिया। उन्होने विद्यार्थियों को सिक्योरिटी फीचर्स ऑन करने तथा अनजान व्यक्तियों के साथ ऑनलाईन जुडने और तुरंत बातचीत करने से बचने की सलाह दी क्योकि यह साइबर खतरों का करण बन सकता है। आगे उन्होने इसके अतिरिक्त उन्होने लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनिय, मोटर व्हीकल एक्ट, टोनही प्रताड़ना निवारण अधिनियम, नि शुल्क विधिक सहायता एवं सलाह तथा शिक्षा और विभिन्न कैरियर विकल्पों पर भी एक विशेष सत्र आयोजित किया गया, जिससे वे अपने भविष्य को सही दिशा दे सकें। उक्त कार्यक्रम में विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती वीदिशा सर्मा, पैरालीगल वोलेंटियर्स सद्दाम हुसैन, कु. तिजेशवरी, श्रीमती आशा गोंड, चिरंजीव लाल, सत्य नारायण, उमेश एवं विद्यालय के शिक्षकगण उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त इस विशेष दिवस के अवसर पर शासकीय बालक हायर सेकेण्डरी स्कूल सूरजपुर, हायर सेकेण्डरी स्कूल नवाटोला व तिवरागुडी एवं ग्राम परसापारा में विधिक जागरूकता शिविरों का आयोजन सम्पन्न हुआ। उक्त आयोजन में पैरालीगल वालेंटियर्स रोहित राजवाड़े, अक्षयवर लाल गुप्ता, कृष्णकांत कुशवाहा शामिल रहे।

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग क्र.02, रामानुजगंज
जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.)
ई-प्रोक्यूमेंट निविदा सूचना
eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in
(2 nd आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्रमांक 181300/निविदा सूचना क्रमांक 12/वलेलि/2025-26, रामानुजगंज, दिनांक 08.12.2025

निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक 26.12.2025 समय 17:30 तक ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

कार्य का नाम : बनखेता जलाशय गोजना का जीर्णोद्धार कार्य अंतर्गत बंड में मिट्टी का कार्य आरडी 0 से 385 मी हेडस्लूस का निर्माण एवं मुख्य नहर में मिट्टी का कार्य (1710 मी.), मुख्य नहर में सीमेंट कांक्रीट लाईनिंग कार्य, एक्वाडक्ट निर्माण एवं 11 नग कोलाबा फिसिंग कार्य।

अनुमानित लागत : रूपये 262.41 लाख
(दिनांक 01.08.2010 के एस.ओ.आर. तथा संशोधित 22.08.2022 के अनुसार)

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cqstate.gov.in पर दिनांक 15.12.2025 समय 17:31 बजे से देखे तथा डाउनलोड किये जा सकते हैं।

नोट : निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.ccstate.gov.in पर नामांकित/पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

कार्यपालन अभिन्ता
जल संसाधन संभाग क. 02 रामानुजगंज
कृते मुख्य अभियंता हसदेव गंगा कछार
जल संसाधन, अम्बिकापुर (छ.ग.)

जी-252605318/2

नशामुक्ति हेतु आज़ाद फाउंडेशन ने शुरू किया नशा छोड़ो घर जोड़ो अभियान

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। पुलिस के कप्तान एसएसपी प्रशांत ठाकुर ने ए आज़ाद वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा शुरू किए गए नशा मुक्ति जागरूकता अभियान नशा छोड़ो घर जोड़ो की औपचारिक शुरुआत करते हुए पोस्टर का विमोचन किया। पुलिस विभाग ने इस पहल को समाज सुधार की दिशा में एक अत्यंत प्रभावी कदम बताते हुए फाउंडेशन को हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया है। फाउंडेशन द्वारा शुरू किया गया यह अभियान समाज से नशे की बुराइयों को दूर करने और युवाओं, महिलाओं तथा परिवारों को नशे से होने वाले दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने पर केंद्रित है। संगठन का उद्देश्य शराब, तंबाकू एवं नशीली दवाइयों के कारण होने वाली सामाजिक एवं स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को कम करना और लोगों को स्वस्थ, सुरक्षित एवं सशक्त जीवन की ओर प्रेरित करना है। अभियान के तहत चिन्हित गांवों में नशा मुक्ति चैंपियन की टीम गठित की जाएगी, जो गांव-गांव जाकर लोगों को नशे से मुक्ति के लिए प्रेरित करेगी..फाउंडेशन ग्राम-स्तर पर सामुदायिक बैठकों, रैलियों और परामर्श सत्रों का आयोजन करेगा, जिसमें विशेषज्ञ, सामाजिक कार्यकर्ता और पुलिस विभाग के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। इन कार्यक्रमों का मकसद नशे की आदत से जूझ रहे लोगों को सही मार्गदर्शन देना, उपचार की सुविधा उपलब्ध कराना और परिवारों को मानसिक एवं सामाजिक सहयोग प्रदान करना है। इसके साथ ही, अभियान में सरकारी हेल्पलाइन, नशा मुक्ति केंद्रों तथा उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा देना भी शामिल है, ताकि जरूरत पड़ने पर लोग तुरंत सहायता प्राप्त कर सकें। फाउंडेशन घरेलू हिंसा की रोकथाम, नशीले पदार्थों के अवैध उपयोग पर नियंत्रण तथा नशे से होने वाली घटनाओं को कम करने के लिए भी लगातार कार्य करेगा। पुलिस विभाग ने फाउंडेशन की इस सामाजिक पहल को अत्यंत सराहनीय बताते हुए कहा कि ऐसे अभियानों से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में मजबूत आधार तैयार होता है..एसएसपी प्रशांत ठाकुर ने कहा कि नशे से मुक्त समाज बनाना तभी संभव है जब पुलिस, समाजसेवी संस्थाएं और नागरिक मिलकर एकजुट प्रयास करें। ए आज़ाद वेलफेयर फाउंडेशन का यह प्रयास न केवल नशा मुक्ति की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि सामाजिक सशक्तिकरण और सुरक्षित समाज निर्माण की दिशा में भी एक प्रेरणादायक पहल है।

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
अम्बिकापुर 11 दिसम्बर 2025
8

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरुद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 7566950555
9713108088

सरगुजा फ्रंटलाइन

अमेरा खदान विवाद को कांग्रेस का राजनीतिक रंग-भ्रम फैलाकर ग्रामीणों को भड़काने की कोशिश नाकाम होगी-भारत सिंह

तथ्यों को तोड़ने-मरोड़ने वालों पर प्रहार-कानून, प्रक्रिया और जनहित पर भाजपा अडिग

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। लखनपुर अमेरा खुली खदान क्षेत्र की हालिया घटना को लेकर कांग्रेस से जुड़े कुछ स्थानीय नेताओं द्वारा लगातार राजनीतिक लाभ के उद्देश्य से माहौल को राजनीतिक अखाड़े में बदलने का प्रयास किया जा रहा है। सरल एवं भोले-भाले ग्रामीणों को तथ्यात्मक और विधि-सम्मत जानकारी देने के बजाय उन्हें भ्रमित कर उकसाने की कोशिश की गई, जो अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और चिंताजनक है। उक्त बातें कहते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने कहा कि इस क्षेत्र का 2008 से 2023 तक विधायक और मंत्री के रूप में प्रतिनिधित्व कर चुके कांग्रेस के वरिष्ठ नेता टी. एस. सिंहदेव के कार्यकाल में यदि खदान को लेकर आपत्तियाँ थीं, तो उस समय खदान बंद कराने, कानूनों के विरुद्ध आवाज़ उठाने या पारित होने से रोकने जैसे कदम उठाए जाने चाहिए थे।उन्हीं के विधायक रहते हुए अमेरा, परसोढी कला एक्सटेंशन खदान का भूमि अधिग्रहण 2014 में हुआ और 2022 में कांग्रेस शासनकाल में कोल माइंस से जुड़े कुछ कानून पारित हुए उस समय विरोध क्यों नहीं किया गया। भारत सिंह सिसोदिया ने कटाक्ष करते हुए कहा कि कांग्रेस अधिग्रहण के खिलाफ है या कांग्रेस ग्रामीणों के मुआवजा या नौकरी की लड़ाई लड़ रही है, कांग्रेस की गोलमोल बात समझ से परे है । कांग्रेस का यह दावा कि अचानक कार्रवाई की गई का खंडन करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि अमेरा-परसोढ़ी कला प्रकरण पर कांग्रेस द्वारा लगाए जा रहे आरोप पूरी तरह भ्रामक, राजनीतिक रूप से प्रेरित और भूमि अधिग्रहण संबंधी वास्तविक कानूनी प्रक्रिया से असंगत हैं क्योंकि बिना पूर्व सूचना, ग्रामसभा की कार्यवाही, सामाजिक प्रभाव आंकलन

आपत्तियों के निपटान और मुआवजा निर्धारण जैसी अनिवार्य प्रक्रियाओं को पूरा किए बिना कोई भी अधिग्रहण संभव ही नहीं है। आगे उन्होंने कहा कि कांग्रेस की ओर से महिलाओं पर पुलिस द्वारा दुर्व्यवहार किए जाने का आरोप भी बिना किसी प्रमाण के है। जिला प्रशासन की प्रारंभिक रिपोर्ट स्पष्ट करती है कि पुलिस बल केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए मौजूद था। श्री सिसोदिया ने कहा कि भाजपा सरकार ने सदा से महिलाओं का सम्मान किया है ,महिला उत्थान के लिए सरकार प्रतिबद्ध है, वहीं कांग्रेस द्वारा अमेरा विवाद में महिलाओं को बरगलाया जा रहा है, उन्हें फूल माला से सम्मानित करने का ढोंग करके हिंसा की भावना बढ़ाने का काम किया जा रहा है , तो क्या कांग्रेस ग्रामीणों को माओवादी सोच के तरफ़ ले जाना चाहती है, शांतिपूर्ण तरीक़े से हल निकालने के विपरीत कांग्रेस की यह मानसिकता समाज के लिए ख़तरनाक है और शांतिपूर्ण वार्ता को हिंसक झड़प में बदलने के लिए कांग्रेस का दिग्भ्रमित नेतृत्व ज़िम्मेदार है। श्री सिसोदिया ने कहा कि मंत्री राजेश अग्रवाल का बयान पूरी तरह तथ्यों और दस्तावेज़ों पर आधारित है, कांग्रेस का यह कहना कि सहमति नहीं बनी, केवल राजनैतिक असंतोष भड़काने का तरीका है, मुद्दा विहीन कांग्रेस अपनी खोयी हुई जनाधार को झूठ और षड्यंत्र को आधार बना कर पाना चाहती है। भाजपा सरकार की नीतियों को स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार आदिवासियों, किसानों और महिलाओं के अधिकारों की सबसे मजबूत संरक्षक है और उनके हितों की सुरक्षा हर परिस्थिति में सुनिश्चित की जाएगी। भारत सिंह सिसोदिया ने कहा कि गत दिवस भाजपा सरगुजा प्रतिनिधि मंडल के साथ जहाँ अमेरा क्षेत्र के ग्रामीण मुखिया, जनप्रतिनिधि और एसईसीएल अधिकारियों के साथ बैठक करके शांति पूर्ण हल निकालने की बात की जा रही है , ऐसे समय में कांग्रेस क्षेत्र में पहुँच कर ग़लत ढंग से तथ्यों को प्रस्तुत कर नकारात्मक राजनीति कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरगुजा पुनः स्पष्ट करती है कि सच्चाई, कानून और जनहित के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता अटूट है। अमेरा खुली खदान क्षेत्र की घटना को कांग्रेस द्वारा राजनीतिक रंग देने एवं भ्रामक जानकारी से निर्दोष ग्रामीणों को भड़काने का प्रयास करने वाले कांग्रेसी नेताओं को सफल नहीं होने दिया जाएगा।

लुंड्रा विधायक का कुशलक्षेम जानने पहुचे पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने रायपुर के एक निजी अस्पताल में स्वास्थ्य लाभ ले रहे लुंड्रा विधायक प्रबोध मिंज से मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना। मंत्री श्री अग्रवाल ने विधायक के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी प्राप्त की तथा उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की। इस मुलाकात के अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल और महिला बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े भी मौजूद थे। उन्होंने विधायक प्रबोध मिंज के स्वास्थ्य सुधार की प्रक्रिया पर डॉक्टरों से चर्चा की और उनके शीघ्र स्वस्थ होकर विधानसभा में लौटने की कामना की है।

मंत्री प्रतिनिधि के मुख्य आतिथ्य में 'सरस्वती साइकिल वितरण योजना हुई संपन्न

13 छात्राओं को मिली निःशुल्क साइकिलें, बच्चों के चेहरों पर झलकी अपार खुशी

छ.ग. फ्रंटलाइन भटगांव। विधानसभा के विकासखंड भैयाथान अंतर्गत आदर्श ग्राम पंचायत बुंदिया स्थित शासकीय हाई स्कूल बुंदिया में बुधवार को छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी 'सरस्वती साइकिल वितरण योजना का भव्य शुभारंभ किया गया। योजना के तहत विद्यालय में अध्ययनरत 13 छात्राओं को निःशुल्क साइकिलें वितरित की गईं, जिससे उनका शिक्षा मार्ग और अधिक सुरक्षित, सुगम एवं प्रोत्साहनपूर्ण बन सके। छात्राओं को साइकिल मिलने पर उनके चेहरों पर खुशी की चमक साफ दिखाई दी। योजना का उद्देश्य ग्रामीण अंचल की बेटियों को शिक्षा से जोड़ना और दूरी को बाधा बनने से रोकना है, जो क्षेत्र के लिए एक प्रेरणादायक पहल साबित हो रही है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ठाकुर प्रसाद राजवाड़े ने अपने उत्साहपूर्ण संबोधन में कहा कि हर बच्चे को शिक्षा को सर्वोपरि रखते हुए देश सेवा की भावना से आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने सोशल मीडिया के दुष्प्रभावों से बचने और समय के सदुपयोग की प्रेरणा दी। भटगांव मंडल अध्यक्ष रमेश कुमार गुप्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में बच्चों को निःशुल्क साइकिल देकर शिक्षा को बढ़ावा दिया जा रहा है, ताकि वे बिना बाधा अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर हो सकें।

साइबर सुरक्षा पर महत्वपूर्ण जानकारी दी

कार्यक्रम में उपस्थित भटगांव थाना प्रभारी सरफराज फिरदोशी ने बच्चों और अभिभावकों को संबोधित करते हुए साइबर सुरक्षा के संबंध में महत्वपूर्ण मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा कि अनजान लिंक, फर्जी कॉल और ओटीपी साझा न करें, सोशल मीडिया पर अनावश्यक जानकारी सार्वजनिक न करें, ऑनलाइन गेम, रिचार्ज और इनाम के नाम पर ठगी से सावधान रहें, किसी भी साइबर अपराध की स्थिति में तुरंत पुलिस से संपर्क करें। उन्होंने बच्चों को जागरूक करते हुए कहा मोबाइल का उपयोग सीखने के लिए करें, न कि समस्याओं में फँसने के लिए।

कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों की उल्लेखनीय उपस्थिति

कार्यक्रम में मंत्री प्रतिनिधि व समाजसेवी ठाकुर राजवाड़े, मंडल अध्यक्ष रमेश कुमार गुप्ता, महामंत्री संतलाल प्रजापति, महरजिया सिंह, पूर्व महामंत्री पदमा जयसवाल, गोरेलाल टोप्पो सरपंच, भोला मानिकपुरी, उपसरपंच प्यारे लाल मिंज सहित जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, शिक्षकङ्कशिक्षिकाएँ और सैकड़ों ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

सुरक्षित बैंकिंग के लिए पुलिस द्वारा सुरक्षा जांच

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। जिला में सुरक्षित बैंकिंग और आपराधिक गतिविधियों में कमी लाने के उद्देश्य से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल ने 10 दिसंबर 2025 को जिले के सभी थाना और चौकी प्रभारी को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्षेत्र में शासकीय एवं गैर शासकीय बैंकों की सुरक्षा की जांच करें। इन निर्देशों के तहत, थाना और चौकी प्रभारी ने बैंकों में प्रमुख सुरक्षा बिंदुओं की जांच की, जिसमें सीसीटीवी कैमरों की स्थिति, सुरक्षा गार्ड की संख्या और उनकी मौजूदगी, बैंकों में आपातकालीन सायरन की स्थिति, सुरक्षाकर्मियों के पास हथियार और कारतूसों की संख्या, और कर्मचारियों का सत्यापन शामिल था।

इसके अलावा, शाखा प्रबंधकों को यह निर्देश दिया गया कि वे बैंकों में संदिग्ध व्यक्तियों और गतिविधियों के बारे में नजदीकी थाने या पुलिस कंट्रोल रूम में तुरंत सूचना दें। यह सुरक्षा जांच आम जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने और बैंकिंग प्रक्रिया को सुरक्षित बनाने के लिए महत्वपूर्ण कदम है।

शीतलहर जारी, शाम होते ही पड़ रही कड़ाके की ठंड, तपमान 5 डिग्री

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा में पिछले कई दिनों से कड़ाके की ठंड पड़ रही है। शीतलहर जारी है। अंबिकापुर का न्यूनतम तापमान 5 डिग्री के करीब पिछले तीन से चार दिनों से है। वहीं पाट क्षेत्रों में न्यूनतम तापमान 4 डिग्री के करीब है। मैनपाट व सामरी पाट में स्थिति और खराब है। इन दोनों क्षेत्रों में जगह-जगह ओस की बूंदे तक जम रही है। ठंड से बचने के लिए लोगों को अलाव का सहारा लेना पड़ रहा है।

मौसम वैज्ञानिक एसके मंडल ने बताया कि अंबिकापुर में तापमान लगातार गिर रहा है, लेकिन यहां कोहरे का असर नहीं है। इस लिए अधिकतम तापमान में आंशिक वृद्धि हो रही है। वायुमंडी में नमी की मात्रा भी बहुत कम हाने के कारण दिन में तेज धूप निकल रहा है। इसके साथ ही उत्तर की ओर से शुष्क हवाओं के आने का क्रम भी जारी है। इस लिए शाम होते ही कड़ाके की ठंड पडऩी शुरू हो जा रही है। आने वाले 2-3 दिनों तक ठंड से राहत की उम्मीद नहीं है। न्यूनतम तापमान 5 से 4 डिग्री के बीच बना रहेगा।

अधिकतम तापमान 26.7 डिग्री

वायुमंडल में नमी की मात्रा कम होने व आसमान साफ होने के कारण दिन का तापमान में हल्की वृद्धि दर्ज हुई है। मंगलवार का अधिकतम तापमान 26.7 डिग्री दर्ज किया गया है। मौसम वैज्ञानिक के अनुसार दिन में भी शुष्क हवाओं के आने का क्रम जारी है। पर तेज धूप के कारण ठंड का असर दिन में कम हो रहा है।

पाट क्षेत्रों में तापमान 4 डिग्री

अंबिकापुर का न्यूनतम तापमान 5 डिग्री है, वहीं पाट क्षेत्रों का तापमान 4 डिग्री के करीब है। बलरामपुर के सामरीपाट व सरगुजा के मैनपाट का तापमान 4 डिग्री तक पहुंच गया है। इन क्षेत्रों में दिन में भी राहत नहीं है। ठंड से लोगों का हाल बेहाल है।

स्टांप पर हस्ताक्षर करने से मना करने पर पति कीटनाशक सेवन करके दिया जान

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। रायगढ़ के कापू में एक युवक ने कीटनशक सेवन कर आत्महत्या कर ली। वह पत्नी पर चरित्रशंका करता था। इस लिए वह अलग रहने के लिए पत्नी से स्टांप पर हस्ताक्षर करा रहा था। हस्ताक्षर करने से पत्नी मना कर दी तो वह कीटनाशक सेवन कर लिया। इलाज के दौरान मेडिकल कॉलेज अस्पताल में उसकी मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार गुरु प्रसाद पिता मस्त राम यादव उम्र 32 वर्ष ग्राम जमदगाह थाना कापू का रहने वाला था। वह बोरबेल में काम करता था। वह पत्नी बेलाशो पर चरित्रशंका करता था। इस लिए वह कुछ

दिन पूर्व पत्नी के साथ मारपीट भी किया था। मारपीट किए जाने से पत्नी मायके चली गई थी। इसके बाद वह वापस आ गई थी। 8 दिसंबर को गुरु प्रसाद स्टांप लेकर घर आया और अलग-अलग रहने के लिए पत्नी को हस्ताक्षर कराने लगा। पत्नी स्टांप पर हस्ताक्षर करने से मना कर दी। इससे क्षुब्द होकर पति ने पत्नी के सामने की कीटनाशक सेवन कर लिया। परिजन द्वारा उसे इलाज के लिए कापू अस्पताल ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसकी स्थिति को गंभीर देखते हुए उसे अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

जीवन अनमोल है' थीम पर कार्मल स्कूल में बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर कार्यक्रम आयोजित

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कार्मल स्कूल में एक जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें समाजसेवी शिल्पा पांडेय ने बाल अधिकार संरक्षण, मानसिक स्वास्थ्य संवर्धन, महिला उत्पीडऩ निवारण, नशे की प्रवृत्तियों के खिलाफ जागरूकता फैलाने पर जोर दिया। यह कार्यक्रम जिला शिक्षा अधिकारी के निर्देश पर विजन समाजसेवी संस्था द्वारा आयोजित किया गया।

विजन समाजसेवी संस्था की निदेशक शिल्पा पांडेय ने इस अवसर पर बताया कि उच्चतम न्यायालय ने शैक्षणिक संस्थानों में आत्महत्याओं की बढ़ती संख्या और मानसिक स्वास्थ्य संकट को देखते हुए, हर शैक्षणिक संस्थान में मानसिक स्वास्थ्य संवर्धन के लिए कार्यशालाओं, बैठकों, नाटकों और अन्य माध्यमों से जागरूकता फैलाने के निर्देश दिए हैं। उनका उद्देश्य यह है कि जो बच्चे मानसिक रूप से कमजोर हैं या जो रेड जोन में हैं, उन्हें जीवन की प्रत्याशा में वापस लौटाया जा सके। शिल्पा पांडेय ने यह भी कहा कि वे लगातार शिक्षकों से संवाद स्थापित कर रही हैं और बच्चों के बीच जाकर उनकी समस्याओं को सुनने के बाद महसूस हुआ कि बच्चों को एक समर्थन की आवश्यकता है। उनका मानना है कि छोटे प्रयास से माता-पिता के बच्चों का जीवन बचाया जा सकता है। जीवन अनमोल है यह जागरूकता की थीम जीवन के प्रति विश्वास और आस्था को पुनः स्थापित करने पर केंद्रित है। उन्होंने बच्चों से यह भी अपील की कि यदि उन्हें कहीं भी मानसिक रूप से असुरक्षित महसूस होता है, तो वे सीधे संपर्क कर सकती हैं। समाजसेवी संतोष दास ने बच्चों के मानसिक विकास पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आज के समय में बच्चों का शारीरिक और मानसिक विकास दोनों ही अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, और बच्चों को जीवन की हर परीक्षा का सामना डटकर करना सिखाना चाहिए। कार्यक्रम का समापन कार्मल स्कूल की प्रिंसिपल सिस्टर रोशनी ने धन्यवाद ज्ञापन इस अवसर पर समाजसेविका अरुण सिंह ने भी अपने विचार साझा किए और बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर जागरूकता फैलाने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम में विजन समाजसेवी संस्था के सदस्य राजू यादव, सुरेखा पैकरा, परमानंद गुप्ता और पीजी कॉलेज के एनसीसी कैडेट्स भी उपस्थित थे।

'बच्चों के लिए घर का वातावरण महत्वपूर्ण'

कार्यक्रम में शिक्षा विभाग के जिला मिशन प्रबंधक सर्वजीत पाठक ने बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बच्चों के लिए केवल स्कूल का वातावरण ही नहीं, बल्कि घर का वातावरण भी उतना ही महत्वपूर्ण है। यदि घर का माहौल तनावपूर्ण है, तो यह बच्चों को भीतर से कमजोर और डरपोक बना सकता है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे बच्चों के संस्कारों का ध्यान रखें, क्योंकि बच्चों का भविष्य उनके घर से ही बनता है।

पुराने सहपाठियों से मिलकर, स्कूल के दिनों को याद कर भावुक हुए पूर्व छात्र

जशपुरनगर। एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय सन्ना में पूर्व विद्यार्थी सम्मेलन 2025 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यालय की पूर्व छात्राओं को एक साझा मंच उपलब्ध कराना था, ताकि वे अपने जीवन यात्रा, अनुभव और उपलब्धियां वर्तमान छात्राओं से साझा कर उन्हें प्रेरित कर सकें। कार्यक्रम की शुरूआत छत्तीसगढ़ के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, सच्चे देशभक्त व गरीबो के मसीहा कहे जाने वाले स्व. वीर नारायण सिंह छायाचित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर किया गया, इसके बाद एकलव्य विद्यालय सन्ना की वर्तमान छात्राओं द्वारा पूर्व छात्राओं का स्वागत, पुष्पगुच्छ प्रदान कर तथा स्वागत गीत से किया। इसके पश्चात् सभी पूर्व छात्राओं ने अपने अपने अनुभव साझा किए कि किसी तरह वे विषम स्थितियों को झेल कर आज इस मुकाम पर पहुंची है। इसके बाद वर्तमान छात्राओं द्वारा समूह गान, एकल गान, सांस्कृतिक कार्यक्रम और समूह प्रस्तुति देकर उपस्थित जनो को मंत्रमुग्ध कर दिया। विद्यालय द्वारा पूर्व छात्राओं हेतु विभिन्न खेल का भी आयोजन किया गया, जिसमें वर्तमान एवं पूर्व छात्राओं ने भी बढ़चढ़ का भाग लिया। एलुमनी मीट- 2025 में विद्यालय की 58 पूर्व छात्राएं सम्मिलित हुई, जिसमें से ज्यादातर छात्राएं किसी न किसी संस्थान में अपनी सेवाएं प्रदान कर रही है, जिसमें से डिप्टी कलेक्टर 1, फूड इंस्पेक्टर 1, एम.बी.बी.एस. इंटर्नशिप 1, मेडिकल ऑफिसर एवं चिकित्सा के क्षेत्र में 3, इंजीनियर 1, सहायक ग्रेड तीन 2, सरपंच 1 उपस्थित रहीं, आगामी वर्ष में और भी पूर्व छात्राओं को सम्मिलित कराया जाएगा।

अनित कुमार चटर्जी, प्राचार्य ने कहा कि मानव समाज में नारी शिक्षा का विशिष्ट महत्व है, क्योंकि कोई भी काम चाहे सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, राजनैतिक हो बिना स्त्री के पूर्ण नहीं होता, एक अच्छे समाज का निर्माण का आधार नारी है, नारी सामज की निरंतर तथा उत्पादकता का प्रमुख आधार है, नारी जब शिक्षक होती है, तो वह न केवल खुद सशक्त होती है बल्कि पूरा परिवार और समाज प्रगति करता है, और हमें यह सौभाग्य मिला है, कि हमने गरीब आदवासी परिवार की छात्राओं को अध्यापन कराया है।विद्यालय के अन्य शिक्षकों द्वारा भी यह बताया गया कि एक शिक्षक की सही उपलब्धि ये है, कि उनके पढ़ाए बच्चे उनसे आगे बढ़े और अपने साथ ही अपने परिवार, समाज और विद्यालय का भी नाम रौशन करें, शिक्षकों द्वारा 2005 से अब तक विद्यालय में हुए बदलाव की भी जानकारी साझा किया गया। कार्यक्रम का संचालन बसंत कुमार गुप्ता, टी.जी.टी. द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अन्त में सभी उपस्थित पूर्व छात्राओं को स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया, कार्यक्रम में विद्यालय के सभी छात्राएं, शिक्षक और कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर